वर्ष : 33 ▸ अंक : 291 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 6 जनवरी 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

P7

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से छीनी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

P8

इंदौर से शहादा आएंगे श्रीहरि विष्णु, 9 जनवरी को शुरू होगी महायात्रा

लाडकी बहिन का साइड इफेक्ट...खाली हुआ सरकार का खजाना

कैग बोला- महाराष्ट्र की आर्थिक स्थिति नाजुक, कृषि राज्य मंत्री माणिकराव कोकाटे ने भी माना कि लाडली बहन योजना से है दबाव

महाराष्ट्र में अभी नहीं हो पाएगी किसानों की कर्जमाफी

कृषि राज्य मंत्री कोकाटे ने दे दिए संकेत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर लाई गई महायुति सरकार की लाडली बहन योजना योजना भले ही गेम चेंजर साबित हुई। इस महत्वाकांक्षी योजना की बदौलत बीजेपी नीत महायुति महाराष्ट्र की सत्ता में फिर से पहुंच गई है। लेकिन इसके साथ-साथ योजना का साइड इफेक्ट भी सामने आ रहा है। आय की तुलना में व्यय बढ़ने से राज्य का राजकोषीय घाटा 2 लाख करोड़ के पार पहुंच गया है। राज्य की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। ऐसी चिंता व्यक्त करते हुए कैग ने सरकार को चेतावनी दी है। लोकसभा चुनाव 2024 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन वाली महायुति सरकार ने तमाम विरोध और चिंताओं को दरकिनार करते हुए लाडली बहन योजना लागू की थी। महाराष्ट्र के विपक्षी दलों ने राज्य की वित्तीय सेहत नाजुक होने का दावा करते हुए इस पर चिंता जताई थी।

योजना से सरकार खजाने पर आर्थिक बोझ बढ़ा

वित्त विभाग ने भी कहा था कि लाडली का वित्तीय भार राज्य के स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं होगा। अब विपक्ष और वित्त विभाग की चिंताओं के सही होने पर कैग ने अपनी मुहर लगा दी है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार (CAG) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि लाडली के कारण सरकारी खजाने पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। सीएजी ने कहा है कि राज्य सरकार की वसूली और खर्च में कोई सामंजस्य नहीं है। विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान सरकार ने लाडली की राशि बढ़ाकर 1500 से 2100 करने, किसानों की कर्ज माफी सहित कई लुभावने वादे किए थे। लेकिन खाली खजाने के कारण लाडली सहित दूसरी कई योजनाओं में सरकार को परेशानी हो रही है। सूक्ष्म सिंचाई सहित कई योजनाओं में धन का अभाव देखने को मिल रहा है। राज्य में 52 लाख से अधिक किसान सब्सिडी से वंचित हैं। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से वर्ष 2023-24 के लिए 716 करोड़ रुपये की सब्सिडी रोक दी गई है। अब सरकार पात्रता जांच कर लाडली के लाभार्थी कम करने जैसे कदम उठा रही है।

किसानों को कर्जमाफी के लिए करना होगा इंतजार

महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनने के बाद राज्य के कृषि मंत्री माणिकरा कोकाटे ने स्वीकार किया है कि लाडली बहन योजना ने राज्य के खजाने पर दबाव डाला है। कोकाटे ने कहा इसके चलते किसानों की कर्ज माफी में देरी हो सकती है। कोकाटे ने कहा कि लाभार्थियों को इस योजना और 'नमो महासम्मान योजना' के बीच चयन करना पड़ सकता है। सरकार लाभार्थियों की समीक्षा कर रही है ताकि उन लोगों को बाहर रखा जा सके जो अब पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं।

कोकाटे बोले, नई योजना में देरी होगी : एक संवाददाता सम्मेलन में राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में पूछे जाने पर कोकाटे ने कहा यह न तो अच्छा है और न ही बुरा है। हमारी महिलाओं और बहनों के कारण राजकोष पर थोड़ा दबाव है। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, किसानों के लिए ऋण माफी के महायुति के चुनाव पूर्व वादे में थोड़ी देरी होगी। कोकटे ने कहा कि इसमें थोड़ी देरी हो सकती है लेकिन जैसे ही संसाधन बढ़ेंगे, इसे दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने बिजली बिल माफी के रूप में किसानों को 15,000 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं।

उद्धव ठाकरे को मुंबई पुलिस पर ही भरोसा नहीं : गोगावले

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

शिवसेना (उद्धव) पक्ष प्रमुख ठाकरे की सुरक्षा में निजी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के फैसले पर राजनीति शुरू हो गई है। दरअसल ठाकरे को पहले से ही मुंबई पुलिस की जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। लेकिन पिछले वर्ष जब ठाकरे के निवास स्थान पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती में कटौती कर दी गई थी तो उसके बाद उद्धव ठाकरे को एक निजी उद्योग समूह ने निजी सुरक्षा उपलब्ध कराई है। सूत्रों का कहना है कि दो दिन पहले ही निजी सुरक्षा कर्मियों ने उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री का जायजा लिया था और ठाकरे परिवार से मुलाकात की थी।

निजी सुरक्षा कर्मी भी सुरक्षा में तैनात

खबर है कि अगले कुछ दिनों में लगभग आधा दर्जन से ज्यादा निजी सुरक्षा कर्मी भी उद्धव ठाकरे की सुरक्षा में तैनात किए जाएंगे। ठाकरे की सुरक्षा में निजी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती पर शिवसेना (शिंदे) नेता और राज्य सरकार में मंत्री भरत गोगावले ने सवाल उठाते हुए कहा है कि लगता है उद्धव ठाकरे को मुंबई पुलिस पर भरोसा नहीं है, यही कारण है कि उन्होंने निजी सुरक्षा कर्मियों को अपनी सुरक्षा में लगाने का फैसला किया है।

पूरा मामला समझें : दरअसल ठाकरे को पहले से ही जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है और उनकी सुरक्षा में मुंबई पुलिस के कमांडो सहित पुलिस वाले तैनात रहते हैं। यह सुरक्षाकर्मी 24 घंटे ठाकरे की सुरक्षा में रहते हैं। पिछले वर्ष गृह विभाग ने ठाकरे की सुरक्षा का जायजा लेकर उनकी सुरक्षा में कटौती कर दी थी। हालांकि ठाकरे पर पिछले वर्ष ही जानलेवा हमला करने का एक फोन कॉल मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को आया था। बावजूद इसके राज्य सरकार ने ठाकरे की जेड प्लस सुरक्षा को जेड श्रेणी में तब्दील कर दिया था। इसको लेकर उस समय आदित्य ठाकरे ने सरकार पर निशाना भी साधा था।

उद्धव ठाकरे द्वारा निजी सुरक्षा लेने पर मंत्री भरत गोगावले ने निशाना साधते हुए कहा कि उद्धव और उनके परिवार की पिछले कई वर्षों से मुंबई पुलिस सुरक्षा करती आ रही है। इस बीच ठाकरे परिवार पर कभी भी कोई आंच नहीं आई। लेकिन अब ठाकरे द्वारा निजी सुरक्षा लेने से यह दर्शाता है कि ठाकरे को अब अपनी मुंबई पुलिस पर विश्वास नहीं रहा है।

एचपीएमवी वायरस को लेकर दिशानिर्देश जारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचपीएमवी) का संक्रमण तेजी से फैलरहा है। हालांकि राहत की बात यह है कि महाराष्ट्र में फिलहाल एचपीएमवी का एक भी मामला नहीं मिला है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में श्वसन संक्रमण के आंकड़ों का विश्लेषणकिया है। जिसमें वर्ष 2023 की तुलना में दिसंबर 2024तक कोई बढ़ोतरी नहीं मिली है। इस रोग को लेकर सावधानी के तहत स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से श्वसन संक्रमण को रोकने के लिए क्या करें और क्या न करें (दिशा-निर्देश) का पालन करने का आग्रह किया है।

श्वसन संक्रमण से संबंधित रोग : स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ डॉक्टरों का कहना है कि एचपीएमवी गंभीर श्वसन संक्रमण से संबंधित रोग है। इसकी पहचान 2001 में नीदरलैंड के विशेषज्ञों द्वारा की गई थी। यह एक मौसमी बीमारी है जो आमतौर पर फ्लू की तरह सर्दियों और शुरुआती बसंत में होती है। सैफी अस्पताल की बाल श्वसन संक्रमण विशेषज्ञ डॉ. जहाबिया एम. बगवाला ने बताया कि एचपीएमवी मुख्य रूप से बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वालों को प्रभावित करता है। 5 साल से ऊपर के 90 फीसदी लोगों में एचपीएमवी संक्रमण के प्रमाण मिलते हैं। जबकि 3 महीने से कम उम्र के 90 फीसदी बच्चों में एचपीएमवी एंटीबॉडीज मौजूद होती हैं। संक्रमण सामान्य फ्लू जैसा हो सकता है और गंभीर रूप ले सकता है। जिसमें तेज सांस लेना, ऑक्सीजन की कमी या अस्थमा बढ़ सकता है। इसका उपचार केवल सहायक उपायों तक सीमित है क्योंकि फिलहाल इसकी कोई एंटीवायरल दवा उपलब्ध नहीं है।

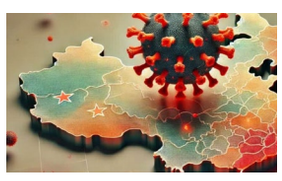

न्यूज़ ब्रीफ

भाजपा का सदस्यता अभियान शुरू

नागपुर। भाजपा का सदस्यता अभियान रविवार से शुरू हो गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के लिए पंजीकरण अभियान की शुरुआत की। सभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसका स्वामित्व जनता के पास है। सीएम फडणवीस ने कहा कि "भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टी को छोड़कर बाकी सभी पार्टियां पारिवारिक पार्टियां हैं। अब भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसका स्वामित्व जनता के पास है औ जो नीचे से ऊपर तक लोकतांत्रिक तरीके से चलती है। केवल भाजपा में ही एक चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री बन सकता है।"

पेज 3 भी देखें

पोरबंदर में कोस्टगार्ड हेलिकॉप्टर क्रैश, 3 की मौत

पोरबंदर। गुजरात के पोरबंदर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल वहां तटरक्षक बल का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। भारतीय तटरक्षक बल का हेलीकॉप्टर एएलएच ध्रुव रुटीन उड़ान पर था, जिस दौरान वह हादसे का शिकार हो गया। हादसे में क्रू के सदस्यों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। क्रू के सदस्यों को जली हुई हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

लाओस मानव तस्करी केस में गिरफ्तार आरोपी के घर NIA का छापा

नई दिल्ली। लाओस मानव तस्करी और साइबर स्लेवरी नेटवर्क की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी को दक्षिण दिल्ली के जामिया नगर में हाल ही में गिरफ्तार किए गए आरोपी के घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान डिजिटल डिवाइस और कई बैंकों के डेबिट कार्ड, पासबुक और चेकबुक समेत कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। यह मामला कामरान हैदर से जुड़ा है, जो कमजोर भारतीय युवाओं को लाओस पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक के गोल्डन ट्राइंगल क्षेत्र में भेजने में लगे हुए थे। मानव तस्करी और साइबर स्लेवरी रैकेट के पीड़ितों को यूरोपीय और अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर लाओस में साइबर घोटाले करने के लिए मजबूर किया गया था।

लगातार पीछा करना ही कानूनन अपराध: बॉम्बे हाईकोर्ट

'लड़की को एक बार फॉलो करना अपराध नहीं'

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोपी की सजा कम की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी लड़की को एक बार फॉलो करना IPC की धारा 354(D) के तहत पीछा करने की श्रेणी में नहीं आता है। कानूनी रूप से लगातार किसी को फॉलो करने को ही अपराध माना जाएगा। जस्टिस जीए सनप ने सेक्शुअल हैरेसमेंट के दो 19 साल के आरोपियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। दोनों पर 14 साल की लड़की का यौन उत्पीड़न करने और जबरन घर में दाखिल होने का आरोप लगा था। जस्टिस सनप ने कहा कि किसी लड़की को फॉलो करने की इकलौती घटना को IPC के तहत अपराध नहीं माना जा सकता है।

लड़की के घर जबरन घुसा था आरोपी

मामला 2020 जनवरी का है, जब मुख्य आरोपी ने नाबालिग लड़की का पीछा किया था और उससे शादी करने की इच्छा जाहिर की थी। लड़की के मना करने के बाद भी आरोपी नहीं माना। यहां तक की लड़की की मां ने लड़के के परिवार से भी इस बारे में बात की, फिर भी आरोपी ने लड़की को परेशान करना जारी रखा। 26 अगस्त 2020 को आरोपी ने लड़की के घर में घुसकर उसे मुंह दबाया और उसे गलत तरीके से छुआ। इस दौरान दूसरा आरोपी घर के बाहर पहरा देता रहा। ट्रायल कोर्ट ने दोनों आरोपियों पर IPC और POCSO एक्ट के तहत कई मामले दर्ज किए। इनमें पीछा करना, सेक्शुअल हैरेसमेंट, घर में जबरन दाखिल होना और आपराधिक धमकी देना शामिल है।

हाईकोर्ट ने मुख्य आरोपी का दोष बरकरार रखा, सजा कम की

इस केस का रिव्यू करने के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि पीछा करने का केस सिर्फ एक वाकए के आधार पर दर्ज किया गया है, जब आरोपी ने लड़की का नदी तक पीछा किया था। जस्टिस सनप ने साफ किया कि सेक्शन 354(D) के तहत यह जरूरी है कि आरोपी ने लगातार विक्टिम का पीछा किया हो, उसे लगातार देखा हो या फिजिकल या डिजिटल तरीके से उससे कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की हो। कोर्ट ने दूसरे आरोपी को सभी आरोपों से बरी करते हुए कहा कि उसने खिलाफ घर के बाहर खड़े होकर पहरा देने के अलावा कुछ नहीं किया था।

मीरा रोड मर्डर केस में खुलासा

बिहार से बुलाया गया था शूटर

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति की मौत होने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एमबीवीवी पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) मदन बल्लाल ने बताया कि पीड़ित शम्स तरबेज शहाबुद्दीन अंसारी उर्फ सोनू की शुक्रवार रात एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

नालासोपारा से किया अरेस्ट: अधिकारी ने बताया कि खान को शनिवार को नाला सोपारा इलाके से गिरफ्तार किया गया, जबकि बदलापुर के व्यापारी आलम को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी के पास से पिस्तौल मैगजीन और छह गोलियां जब्त कर ली हैं। अधिकारी ने बताया कि नया नगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को सात दिन के लिए पुलिस कस्टडी में भेजा है।

महादेव के भक्तों से खुलेआम लूट

तुंगरेश्वर मंदिर में वन विभाग का भ्रष्टाचार, वसूल कर रहे मनमाना प्रवेश शुल्क

आशु विश्वकर्मा । वसई

वसई विरार में स्थित तुंगरेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों को खुलेआम लूटा जा रहा है। दर्शन के नाम पर भक्तों से मनमानी तरीके से इंट्री फीस वसूली जा रही है। यहां पर वन विभाग सभी भक्तों से मंदिर में प्रवेश के लिए मोटी रकम ले रहे हैं। आलम यह है कि इंट्री फीस वसूलने के बावजूद यहां पर वन विभाग द्वारा कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। साथ ही जिन भक्तों के पास पैसे नहीं होता है उन्हें पहाड़ी चढ़ने से पूर्व ही रोक दिया जाता है। बता दें कि महाराष्ट्र के पालघर जिला में स्थित

वसई तहसील के तुंगार फाटा में तुंगरेश्वर नामक ऊंचे पर्वत पर लगभग 2177 फीट की ऊंचाई पर तुंगरेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। यहां भगवान शंकर का एक भव्य प्राचीन मंदिर है। जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में भक्त दर्शन के लिए आते हैं। वहीं इससे कुछ वर्षों पहले इस मंदिर में श्रद्धालुओं को आने जाने में कोई भी परेशानी नहीं झेलनी पड़ती थी, किन्तु अभी कुछ वर्ष से यहां पर भक्तों को वन विभाग द्वारा बनाए गए नए नियमों के कारण काफी दिक्कतें उठनी पड़ रहीं हैं। अब इस मंदिर में भक्तों को भगवान के पास जाने के लिए प्रशासन द्वारा निर्धारित की गई रकम से अधिक इंट्री फीस चुकानी पड़ रही। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वन विभाग यहां पर लोगों से मंदिर में जाने के लिए प्रति व्यक्ति से 64 रुपए वसूल कर रहा है।

2 वर्ष पहले राज्य सरकार द्वारा प्रवेश शुल्क हुआ था कम

तुंगारेश्वर महादेव मंदिर में जाने वाले पर्यटकों से वसूल किए जाने वाले प्रवेश शुल्क को राज्य सरकार ने कम कर दिया था। यहां पहले पर्यटकों से 58 रुपए प्रवेश शुल्क वसूल किए जाते थे, जिसे घटाकर राज्य सरकार ने वर्ष 2023 में 30 रुपए कर दिया था, किंतु वन विभाग के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा यहां पर भक्तों को लूटा जा रहा है। यहां पर अब भक्तों से प्रवेश शुल्क के रूप में 64 रुपए वसूल किया जा रहा है। जिस पर मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं ने नाराजगी जताते हुए वन विभाग पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि जहां एक तरफ देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की कोशिश की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ वन विभाग के अधिकारी भ्रष्टाचार कर केंद्र सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे हैं।

“तुंगरेश्वर महादेव मंदिर में वन विभाग द्वारा राज्य सरकार द्वारा निर्धारित किए गए प्रवेश शुल्क से अधिक इंट्री फीस वसूल किया जा रहा है। हमने जब इसके बारे में वहां उपस्थित अधिकारी से बात की तो उन्होंने कहा कि यहां फीस है जाना है तो जाइए नहीं तो बहार निकलिए ।

– बिपिन गुप्ता, भक्त, नालासोपारा पूर्व

“हां पर हम लोगों से भगवान के दर्शन को जाने के लिए इंट्री फीस ली जा रही है। क्या अब एक भक्त को भगवान से मिलने के लिए कर चुकाना पड़ेगा? लगता है वसई विरार शहर मुगल साम्राज्य बन गया है। जहां पहले मुगल बादशाह हिन्दुओं से उनके भगवान के दर्शन के लिए कर वसूल किया करते थे। वैसा ही अब यहां हो रहा है। एक तरफ बीजेपी हिंदुत्व वाली पार्टी बनने का श्रेय लेती है वही वसई में स्थिति तुंगारेश्वर मंदिर में जाने के लिए श्रद्धालुओं से 64 रुपए कर के रूप में वसूला जा रहा है। जबकि केंद्र में और राज्य में और वसई विरार में भी बीजेपी की सत्ता होने के बाद भी दर्शन करने जाने वाले श्रद्धालुओं से कर के रूप में पावती काटकर वसूला जा रहा है।

– सुरेंद्र सिंह राज (शिवसेना ऊबाठा,) उत्तर भारतीय वसई विरार जिला प्रमुख

“यहां पर हम लोगों से भगवान के दर्शन को जाने के लिए इंट्री फीस के रूप में मनमाना तरीके से वसूली की जा रही है। अगर हम बाइक से दो लोग जा रहे हैं तो हमसे बाइक के साथ ही बाइक पर सवार दोनों से पैसे वसूलते हैं।

– अनिल सिंह, नागरिक वसई पूर्व

खबर संक्षेप

पिकनिक मनाने आए 150 छात्र, अचानक बिगड़ गई बच्चों की तबीयत

रायगढ़। रायगढ़ में पिकनिक मनाने आए 18 छात्र फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बीमार हुए छात्र जालना जिले के न्यू हाई स्कूल के बताए जा रहे हैं। स्कूल से 150 छात्र-छात्राओं का दल नई साल की पार्टी पर पिकनिक मनाने के लिए रायगढ़ के महाबलेश्वर आए थे। घटना की सूचना मिलते ही पोलादपुर के पुलिस निरीक्षक अनिल जाधव, उपविभागीय पुलिस अधिकारी शंकर काले और तहसीलदार तुरंत अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। स्कूली छात्रों की अचानक तबीयत बिगड़ने से हड़कंप मच गया। उनके साथ आए स्कूल के स्टाफ के हाथ-पांव फूल गए।

7 दिन तक मां-नवजात की करती रही देखभाल, फिर बच्चा चुराकर फरार

नाशिक। महाराष्ट्र के नाशिक जिले में एक अस्पताल से चोरी हुए नवजात शिशु को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर ढूंढ निकाला है। इस बच्चा चोरी की घटना ने शहर में हड़कंप मचा दिया था, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से यह मामला सुलझा लिया गया। पुलिस के मुताबिक, 28 दिसंबर को नाशिक जिला अस्पताल में एक महिला ने सिजेरियन डिलीवरी से बच्चे को जन्म दिया। महिला को बाद में आईसीयू में भर्ती करवाया गया था, क्योंकि उसकी हालत गंभीर थी। इसी दौरान महिला ने अपनी पहचान की एक अन्य महिला को शिशु को संभालने के लिए सौंप दिया था। यह महिला अस्पताल में महिला के परिचित के तौर पर आई थी और महिला के दूर की रिश्तेदार होने का दावा कर रही थी। 28 दिसंबर से 4 जनवरी तक यह महिला जच्चा और बच्चा दोनों की देखभाल करती रही, लेकिन 4 जनवरी के बाद अचानक वह महिला बच्चा लेकर गायब हो गई। जब शिशु की मां ने अस्पताल प्रशासन से इस बारे में शिकायत की और रोने लगी, तो अस्पताल ने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

वसई विरार मनपा अभय योजना के अंतर्गत प्रॉपटी टैक्स पर लगे ब्याज पर दे रही है छूट

डीबीडी संवाददाता । विरार

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, महानगरपालिका शहर में इमारतों और भूमि पर कर लगाकर संपत्ति कर एकत्र कर रहा है। वर्तमान में, बकाया राशि वसूलने के लिए महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम के अध्याय 8 कराधान नियम के नियम 51 के तहत आयुक्त में निहित शक्तियों के अनुसार 'अभय योजना 2024-25' को कार्यान्वित किया जा रहा है।.'अभय योजना 2024-25' की अवधि : 06/01/2025 से 28/02/2025 तक होगी।. योजना का दायराः 'अभय योजना 2024-25' के अंतर्गत सभी करदाता जिनका 05/01/2025 तक संपत्ति कर बकाया है, साथ ही मोबाइल टावर कंपनियां भी इस योजना का लाभ उठा सकती हैं। 'अभय योजना 2024-25' के नियम 41 के अनुसार लगाए गए जुर्माने (दण्ड) की माफी का विवरण निम्नानुसार होगा।नियम 41 के अंतर्गत दंड की छूट का विवरण, 06/01/2025 से 28/02/2025 तक,यदि बकाया संपत्ति कर की राशि एकमुश्त + 50% जुर्माना (नियम संख्या 41 के अंतर्गत) अदा की जाती है, नियम 41 के अंतर्गत लगाए गए जुर्माने (जुर्माना/ब्याज) की छूट का विवरण (50 प्रतिशत) बताया गया है।.अभय योजना के तहत छूट के लिए पात्र राशि :यह योजना वसई-विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र में अधिकृत और अनधिकृत दोनों संपत्ति धारकों पर लागू होगी,यह योजना केवल उपर्युक्त अवधि के दौरान भुगतान किए गए संपत्ति कर की राशि पर लागू होगी। यह इस योजना के शुरू होने से पहले या बाद में भुगतान की गई किसी भी राशि पर लागू नहीं होगी। इस योजना के तहत योजना के शुरू होने से पहले भुगतान की गई किसी भी राशि की वापसी के लिए कोई दावा नहीं किया जा सकता है।अभय योजना के अंतर्गत किया जाने वाला भुगतान तथा अपील वापस लेना आदि, अभय योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए लागू ,जिस अवधि के लिए रियायत का लाभ लिया जाना है, उस दौरान लंबित किसी भी अपील, समीक्षा के लिए आवेदन, संदर्भ आवेदन, न्यायालय में दायर दावे या रिट याचिका को बिना शर्त वापस लिया जाना चाहिए,यदि अभय योजना का लाभ प्राप्त करने के बाद कोई अपील, समीक्षा आवेदन, संदर्भ आवेदन, अदालती दावा या रिट याचिका दायर की जाती है, तो अभय योजना के तहत संबंधित अवधि के लिए दी गई रियायतें वापस ले ली जाएंगी।यदि बकाया संपत्ति कर राशि का 50 प्रतिशत जुर्माना (नियम संख्या 41 के तहत) 06/01/2025 से 28/02/2025 के बीच एकमुश्त भुगतान किया जाता है, तो शेष जुर्माना (नियम संख्या 41 के तहत) माफ कर दिया जाएगा।यदि अभय योजना की अवधि के दौरान किसी कारण से चेक का भुगतान नहीं किया जाता है, तो चूककर्ता को इस अभय योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके बाद, अन्य दंडों के साथ राशि वसूल की जाएगी। अभय योजना का लाभ लेकर कर का भुगतान करने के पश्चात उक्त भुगतान राशि के संबंध में किसी भी कारण से किसी भी प्राधिकरण/न्यायाधिकरण के समक्ष कोई दावा दायर नहीं किया जा सकेगा।हालांकि, सभी बकाया संपत्ति मालिकों से अनुरोध है कि वे जल्द से जल्द वेबसाइट www.vvemc.in पर या यूपीआई (फोन पे, पेटीएम, गूगल पे आदि) के माध्यम से अभय योजना 2024-25 योजना के तहत अपने बकाया संपत्ति कर का भुगतान ऑनलाइन करके मनपा के साथ सहयोग करें।

वोट देकर मेरे मालिक बन गए हो क्या : अजित पवार

डीबीडी संवाददाता । पुणे

बीड जिले के मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख मर्डर का मामला राज्य में लगातार तूल पकड़ रहा है। बीजेपी विधायक सुरेश धस, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के सांसद बजरंग सोनवणे, सामाजिक कार्यकर्ता अंजली दमानिया एवं मराठा आंदोलनकारी इस मामले को लेकर उप मुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी पार्टी एनसीपी के मंत्री धनंजय मुंडे को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। लगातार हो रही आलोचनाओं के कारण अजित पवार भी अब आपा खोने लगे हैं। ऐसा रविवार को उस समय देखने को मिला, जब एक कार्यक्रम के दौरान कुछ लोग काम नहीं होने की शिकायत करने लगे। इस पर भड़के अजित पवार शिकायतकर्ताओं से उल्टा सवाल करने लगे। उन्होंने पूछा कि वोट देकर आप मेरे मालिक बन गए हो क्या?

बारामती पहुंचे थे अजित पवार

हाल ही में विदेश दौरे से लौटे अजित पवार रविवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र बारामती पहुंचे थे। वहां उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। बारामती के मेदाद स्थित बारामती तालुका क्रय-विक्रय संघ परिसर में एक नए पेट्रोल पंप के उद्घाटन के दौरान एक एक्टिविस्ट एवं कुछ लोगों ने उनसे शिकायत की तो डिप्टी सीएम नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि आपने मुझे वोट दिया, मतलब आप मेरे मालिक बन गए हो, ऐसा मत समझो।

नाराजगी जायज है

एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नेता और मंत्री संजय शिरसाट ने कहा कि "जब जन प्रतिनिधि काम करते हैं, इसके बावजूद तो कुछ मतदाता काम नहीं होने की शिकायत करते हैं या काम तुरंत होना चाहिए, ऐसी जिद करते हैं तो किसी को भी गुस्सा आना स्वाभाविक है। लेकिन जनता बोलती है तो कोई खबर नहीं बनती है परंतु जब कोई जन प्रतिनिधि गुस्से में कुछ बोल देता है तो वह खबर बन जाती है। शायद उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने गुस्से में यह बयान दिया होगा।

कैंसर निदान शिविर पहुंचे उपमुख्यमंत्री

उपमुख्यमंत्री अजित पवार मेडिकोज गिल्ड के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर यहां पहुंचे थे। इस अवसर पर मेडिकोज गिल्ड, भगिनी मंडल बारामती, बारामती स्त्री रोग विशेषज्ञ एसोसिएशन, सिल्वर जुबली सरकारी उपजिला अस्पताल, पुण्यश्लोक अहिल्या देवी होलकर सरकारी मेडिकल कॉलेज के सहयोग से महिलाओं के लिए एक मुफ्त कैंसर निदान शिविर का आयोजन किया गया।

तीन बार महादेव का नाम लेने से जीवन धन्य हो जाता है: प.प.डॉ. प्रभाकरजी महाराज

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

श्री शिव महापुराण परिवार द्वारा रिजेंसी एंटीलिया में अयोजिय शिव महापुराण कथा में कथा के चौथे दिन प.प.डॉ. प्रभाकरजी महाराज ने व्यासपीठ से कथामृत बरसाते हुए शिवतत्व की महिमा बताई। सती के देहत्याग के बाद हिमालय के घर पार्वती के रूप में जन्म लेने से लेकर शिव पार्वती विवाह तक का वर्णन किया गया। शिव विवाह की कथा में श्रोता झूम उठे।इस कथा में बड़ी संख्या में महिलाएं भी सजधज कर शिव विवाह का हिस्सा बनते हूए

महाप्रसाद का लाभ लिया। रीजेंसी एंटीलिया,सेल्स ऑफिस के सामने चल रहे श्री शिवमहापुराण कथा में प.प.डॉ. प्रभाकरजी महाराज ने कथा के चौथे दिन शिव विवाह का वर्णन करते हुए भारी संख्या में शामिल हुई। श्री शिवमहापुराण कथा 1 जनवरी से 9 जनवरी तक रोजाना शाम साढ़े 5 से 9 बजे तक किया जा रहा है।जिसके उपरांत रोजाना महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गयी है। कथा के आयोजक समाजसेवी अनिल पांडे व पवन पांडे ने भक्तों से भारी संख्या में कथा में उपस्थित होकर महाप्रसाद का लाभ लेने की अपील की है। शिव पुराण कथा में कुलगांव - बदलापूर भाजपा के नगराध्यक्ष राम पाटकर, ठाणे जिला बीजेपी महामंत्री व मीडिया प्रमुख जितेंद्र सिंह,सुनील ओझा,सुजित कुमार,पंडित रमापति मिश्रा, आलोक पांडे, सहित कई महानुभावों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

स्वास्थ्य संदेश के लिए पुलिस ने किया साइकिल रेजिंग

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार सुबह साइकिल यात्रा करो स्वस्थ रहो मस्त रहो का संदेश पुलिस ने दिया। इस साइकिल यात्रा में 450 से अधिक साइकिल प्रेमियों ने भाग लिया। चार साल के बच्चों से लेकर 72 साल के बुजुर्गों तक, सभी साइकिल प्रेमियों ने भाग लिया और ठाणेकरों को स्वास्थ्य का संदेश दिया। इस वर्ष की साइकिल यात्रा की थीम राइड फॉर हेल्थ थी। नौपाड़ा पुलिस स्टेशन ठाणे व साइकिल प्रेमी फाउंडेशन के सहयोग से चिंतामणि चौक से साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। इसे दो भागों में आयोजित किया गया था, अनुभवी साइकिलिंग प्रेमियों के लिए लंबी पैदल यात्रा और शौकिया साइकिलिंग प्रेमियों के लिए जॉयराइड। इस अवसर पर परिवहन विभाग के संयुक्त पुलिस आयुक्त विजयसिंह भोसले, नौपाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अभय महाजन,परिवहन सभापति विलास जोशी, साइकिल प्रेमी फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष प्रज्ञा म्हात्रे, सचिव दीपेश दलवी, पुलिस निरीक्षक रोहिणी सोनार, गौरी मोरे, सामाजिक कार्यकर्त, महेंद्र मोने व अन्य मौजूद थे।वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अभय महाजन ने फिट रहो हिट साइकिल

चलाते रहो का संदेश देते हुए कहा कि आजकल कोई आउटडोर खेल नहीं हैं इसलिए शारीरिक व्यायाम करके फिट रहना जरूरी है इसलिए कुछ शारीरिक व्यायाम करते रहें जैसे साइकिल चलाना जॉगिंग कर अपने स्वास्थ्य को ठीक रखें। इसमें हिस्सा लेने वाले साइकिल चालकों को जर्सी और आकर्षक मेडल दिए गए। इस राइड में साइकिल की शौकीन चार साल की जिजिसा कुम्हार और 70 साल की दुर्गा गोरे ने उपस्थित हुए लोगों का ध्यानाकर्षण किया। कार्यक्रम की घोषणा अजय नायक ने की। इस साइकिल यात्रा का नेतृत्व गणेश कोली, गिरीश चिलकेवार, दिलीप तालेकर, गजानन दांगट, विनोद फेरडे, संकेत सोमाने, पंकज रिजवानी और अन्य ने किया।इस साइकिल यात्रा में ठाणे के साथ-साथ मुरबाड, खारघर, वसई विरार, पनवेल, करनाला, कल्याण डोंबिवली आदि अलग-अलग इलाकों से लोग भाग लिए।

सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामला: BJP विधायक पर NCP का हमला

डीबीडी संवाददाता । बीड

बीड के मसजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले में महाराष्ट्र की सियासत गर्मा गई है। रविवार 5 जनवरी को एनसीपी के प्रवक्ता सूरज चव्हाण ने बीजेपी के विधायक सुरेश धस द्वारा हत्या की जांच को लेकर सूबे के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर निशाना साधने पर आपत्ति जताई। चव्हाण ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर सवाल किया कि क्या धस को राज्य के गृह विभाग पर भरोसा नहीं है कि वह हत्या की निष्पक्ष जांच करेगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस गृह विभाग का प्रभार संभाल रहे हैं। चव्हाण ने कहा कि अगर एनसीपी का कोई भी शख्स सरपंच की हत्या के मामले में संलिप्त पाया जाता है तो उपमुख्यमंत्री अजित पवार उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे।

अपहरण कर की गई सरपंच की हत्या

सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के पीछे जबरन वसूली का मामला बताया जा रहा है। बीड जिले में पवन चक्कियां स्थापित करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से दो करोड़ रुपए की वसूली की जा रही थी। इस वसूली का देशमुख ने इविरोध किया था, जिसके बाद 9 दिसंबर को उनका अपहरण कर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने महाराष्ट्र के मंत्री एनसीपी नेता धनंजय मुंडे के सहयोगी वाल्मीक कराड को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

'NCP का कोई शख्स जुड़ा पाया गया तो कार्रवाई होगी'

सरपंच की हत्या की जांच आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) का एक विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहा है। चव्हाण ने कहा कि शनिवार को परभणी में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान बीजेपी विधायक धस ने एनसीपी प्रमुख और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर निशाना साधते हुए पूछा था कि उनके वादे का क्या हुआ। एनसीपी प्रवक्ता ने कहा कि अगर उनकी पार्टी का कोई भी व्यक्ति हत्या मामले से जुड़ा पाया गया तो अजित पवार उसे नहीं छोड़ेंगे और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे।

'पवार को बदनाम किया गया तो हम जवाब देंगे'

एनसीपी नेता ने कहा कि वो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अनुरोध करते हैं कि वह धस से महायुति गठबंधन के सौहार्दपूर्ण माहौल को खराब न करने के लिए कहें। अगर अजित पवार को बदनाम किया गया तो हम उचित जवाब देंगे। दरअसल देशमुख हत्या मामले को लेकर सूबे में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। बीजेपी विधायत धस धनंजय मुंडे पर भी निशाना साध रहे हैं। बीते शनिवार को उन्होंने आरोप लगाया कि हत्या के मामले में पुणे से गिरफ्तार किए गए 2 लोग सिर्फ 'मोहरे' हैं, जबकि 'मुख्य आरोपी' खुलेआम घूम रहे हैं।

15 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई से सटे नालासोपारा और उल्हासनगर में पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाई में 15 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें नालासोपारा से 13 बांग्लादेशी नागरिक और उल्हासनगर से बांग्लादेशी पति-पत्नी हैं। घाटकोपर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अविनाश कलदाते ने रविवार को मीडिया को बताया कि उनकी टीम ने एक महीने पहले अहमद मिया शेख और एक बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इन दोनों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने नालासोपारा के आचोले इलाके में शनिवार रात को छापा मारकर 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें तैबुर अजगर शेख,

आलम अजगर शेख, मिजानु सलाम शेख, अब्दुल सिराज शेख, मुराद मिजानुर शेख, रत्ना तैबुर शेख, अमीना मुराद शेख, सबीना अब्दुल्ला शेख, कोहिनूर मिजानुर शेख और चार अन्य हैं। यह सभी अवैध तरीके सेनालासोपारा में रह रहे थे। इन सभी से पूछताछ के बाद और भी बांग्लादेशी नागरिकों के पकड़े जाने की संभावना है। इसी तरह उल्हासनगर पुलिस ने न्यू साईबाबा कालोनी में छापा मारकर दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों की पहचान मीना मुजीद खान (30) और महमूद खान असद खान (27) के रूप में की गई है और दोनों पति-पत्नी हैं। इनमें मीना एक होटल में वेटर का काम करती थी, जबकि महमूद सड़क पर सामान बेचता था। इन दोनों मामलों की गहन छानबीन की जा रही है।

BJP ही लोगों की पार्टी, बाकी सब प्राइवेट लिमिटेड: मुख्यमंत्री

नागपुर। भाजपा का सदस्यता अभियान रविवार से शुरू हो गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को नागपुर में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के लिए पंजीकरण अभियान की शुरुआत की। सभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसका स्वामित्व जनता के पास है।

सीएम फडणवीस ने कहा कि 'भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टी को छोड़कर बाकी सभी पार्टियां पारिवारिक पार्टियां हैं। अब भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसका स्वामित्व जनता के पास है औ जो नीचे से ऊपर तक लोकतांत्रिक तरीके से चलती है। केवल भाजपा में ही एक चाय बेचने वाला देश का प्रधानमंत्री बन सकता है।' फडणवीस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि 'हमने आज से एक साथ एक लाख बूथों पर सदस्यता अभियान शुरू किया है। हमने सुबह के सिर्फ़ 2 घंटे में 25,000 लोगों को सदस्य के रूप में नामांकित किया है। हमारा लक्ष्य पूरे नागपुर शहर में 7 लाख लोगों को सदस्य के रूप में नामांकित करना है।'

नितेश राणे ने भी शुरू किया अभियान

महाराष्ट्र के मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे ने भी सोशल मीडिया पर कहा कि महाराष्ट्र में संगठन पर्व सदस्यता को राज्य से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। पोस्ट में लिखा है कि 'महाराष्ट्र में भाजपा द्वारा चलाए गए संगठन पर्व सदस्यता पंजीकरण अभियान को पूरे राज्य से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। कई युवा हमारी पार्टी भाजपा में शामिल हो रहे हैं।'

कंकवली में आयोजित किया कार्यक्रम

नितेश राणे ने कहा कि वे कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम में गए और लोगों से पार्टी में शामिल होने की अपील की। पोस्ट में लिखा है कि 'भारतीय जनता पार्टी द्वारा कंकावली तालुका के बंजाली में संगठन पर्व सदस्यता पंजीकरण अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मैंने इस कार्यक्रम में जाकर कार्यकर्ताओं और जनता से सीधे बातचीत की। उन्होंने 88 00 00 2024 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर भाजपा पार्टी में शामिल होने की अपील की। आप भी हमारे साथ जुड़ें।'

सितंबर में हुई थी अभियान की शुरुआत

बता दें कि पिछले साल 2 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करके भाजपा के 2024 सदस्यता अभियान 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' की शुरुआत की थी। साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से युवाओं से जुड़ने के लिए विशेष प्रयास करने का आग्रह किया था।

कुर्ला बस हादसे में आरोपी बस चालक की जमानत याचिका पर हुई बहस

10 जनवरी को होगा फैसला

मुंबई। पिछले महीने कुर्ला पश्चिम में बेस्ट दुर्घटना के मुख्य आरोपी बस ड्राइवर संजय मोरे की जमानत याचिका पर बहस शनिवार को पूरी हो गई। इसके बाद अदालत ने स्पष्ट किया कि वह मोरे की जमानत याचिका पर 10 जनवरी को फैसला करेगी। आरोपी के वकील ने दावा करते हुए कोर्ट से कहा कि आरोपी निर्दोष है और दुर्घटना बस में तकनीकी खराबी के कारण हुई। पुलिस ने मोरे की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि दुर्घटना उसकी गलती के कारण हुई थी। मोरे अच्छा ड्राइवर नहीं है, बल्कि उससे खतरा है। इसलिए उन्हें जमानत नहीं दी जानी चाहिए। अगर उसे जमानत पर रिहा किया गया तो वह भाग जाएगा। मोरे की जमानत याचिका पर शनिवार को सत्र न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश सचिन पवार के समक्ष बहस हुई। उस समय कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मोरे की अर्जी पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

आरटीओ ने बस की जांच की

बता दें कि मुंबई के कुर्ला में हुए बेस्ट बस हादसे में मुंबई के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) अधिकारियों ने बस की जांच की थी। इस जांच के बाद पता चला था कि दुर्घटना में बस में कोई खराबी नहीं थी। इसके बाद भी इस दुर्घटना का होना किसी और वजह की ओर संकेत करता है। मुंबई के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के अधिकारियों को संदेह है कि कुर्ला में हुई बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) बस दुर्घटना 'मानवीय भूल' और 'उचित प्रशिक्षण के अभाव' के कारण हुई थी।

नीतीश के जाने से सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ेगा: जयंत पाटिल

मुंबई। महाराष्ट्र एनसीपी शरद पवार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के जाने से केंद्र की सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। पाटिल ने कहा कि नीतीश कुमार के पास 12 सांसद हैं। अगर इन 12 सांसदों का समर्थन हटा दिया जाए तब भी केंद्र की सरकार अल्पमत में नहीं आएगी। मौजूदा परिस्थिति में मुझे कोई आसार भी नजर नहीं आते। अगर और भी कुछ घटक दल जिनकी संख्या ज्यादा सांसदों की है, वो अगर बाहर निकलते हैं सरकार से तभी कुछ हो सकता है और सरकार अल्पमत में आ सकती।

जयंत पाटिल का यह बयान उद्धव गुट के सांसद संजय राउत के बयान के बाद आया है। दरअसल, राउत ने दावा किया है कि बीजेपी नीतीश कुमार के 10 सांसदों को तोड़ने की कोशिश कर रही है इसलिए नीतीश कुमार परेशान हैं। मुझे संदेह है कि वह एनडीए में रहेंगे। अगर नीतीश कुमार अलग फैसला लेते हैं तो केंद्र की मोदी सरकार अल्पमत में आ सकती है।

कहीं फिर इधर से उधर न हो जाएं नीतीश?

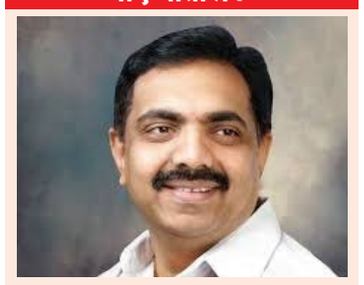

दरअसल, पिछले कुछ दिनों से सियासी गलियारों में चर्चा है कि नीतीश कुमार कहीं फिर इधर से उधर न हो जाएं। मतलब एनडीए का साथ छोड़ न दें। कुछ दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में नेतृत्व परिवर्तन के संकेत दिए थे। इसके बाद से बिहार की राजनीति में भूचाल आ गया था। शाह के इस बयान के बाद जेडीयू ने ट्वीट कर कहा था 'क्यों करें विचार, जब हैं ही नीतीश कुमार।' इस पोस्ट के कई मायने निकाले गए। कहा जाने लगा कि बिहार में बजट सत्र के बाद बड़ा परिवर्तन को देखने को मिल सकता है।

लोगों को एक झटका तब लगा जब लालू यादव ने नीतीश कुमार को साथ आने का ऑफर दे दिया। आरजेडी चीफ ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के लिए राजद का दरवाजा खुला हुआ है। नीतीश कुमार साथ में आएं और काम करें।

आरोपी को मां के अंतिम संस्कार के लिए सशर्त अंतरिम जमानत

अंतिम संस्कार के लिए लड़ी कानूनी लड़ाई

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने ड्रग्स केस में दो साल से जेल में बंद एक आरोपी को उसकी मां के अंतिम संस्कार के लिए सशर्त अंतरिम जमानत दी है। आरोपी को 4 जनवरी से 13 जनवरी 2024 तक के लिए रिहा किया जाएगा। आरोपी को 2 लाख रुपये के मुचलके पर रिहा किया जा रहा है। इस दौरान उसे जांच अधिकारी के पास पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया गया है।

दिल्ली निवासी महिला का बेटा, जो कि ड्रग्स मामले में जेल में बंद है, अपनी मां की इकलौती संतान है। उसकी मां का निधन 21 दिसंबर 2024 को हुआ था। बेटे के जेल में होने के कारण उसकी मां का शव अस्पताल के शवगृह में रखा गया था, और उसका अंतिम संस्कार नहीं हो सका था। आरोपी ने कोर्ट से मां की अंतिम क्रियाएं करने की अनुमति मांगी थी, ताकि वह अपनी मां की विधिवत अंतिम विदाई दे सके।

आरोपी की दलील

आरोपी के वकील, ऐडवोकेट मिथलेश मिश्रा ने कोर्ट में कहा कि आरोपी अपनी मां का इकलौता बेटा है, और उसके वहां न होने के कारण अंतिम संस्कार से जुड़ी किसी भी क्रिया को पूरा नहीं किया जा पा रहा है। आरोपी ने पहले भी 2024 में रेगुलर बेल की अर्जी दी थी, लेकिन अभियोजन पक्ष ने उस पर कोई जवाब नहीं दिया था। 24 महीने से आरोपी जेल में बंद था और चार्जशीट भी दायर हो चुकी थी, हालांकि आरोप अब तक तय नहीं किए गए थे। सरकारी वकील ने दलील दी कि आरोपी गंभीर अपराधों में शामिल है, और बेल मिलने पर वह सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकता है। हालांकि, जस्टिस आर.एन। लड्ढा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को राहत देने का फैसला लिया, क्योंकि आरोपी के मां के निधन और शव को अस्पताल के शवगृह में रखने की पुष्टि हुई थी।

जमानत की शर्तें

जमानत मिलने के बाद आरोपी को जांच अधिकारी के पास अपना पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया गया। साथ ही उसे दिल्ली के स्थानीय पुलिस स्टेशन में एक दिन छोड़कर उपस्थित होने को कहा गया। इस मामले में जमानत मिलने से आरोपी को एक तरफ मां के अंतिम संस्कार का मौका मिला, वहीं दूसरी तरफ जांच से जुड़े किसी भी सबूत के साथ छेड़छाड़ न करने की शर्त भी लगी। एटीएस ने 2022 में जेएनपीटी पोर्ट से एक कन्साइनमेंट की जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया था। इस कन्साइनमेंट में हेरोइन के 168 पैकेट बरामद हुए थे, जिनका वजन 72 किलोग्राम था और मूल्य लगभग 3।62 करोड़ रुपये आंका गया था। जांच के दौरान आरोपी के फोन में पाकिस्तान से जुड़े कई नंबर मिले थे।

एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे गुट को दिया झटका

पालघर से कई नेता शिवसेना में हुए शामिल

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट को लगातार झटके लग रहे हैं। रविवार को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे को एक और बड़ा झटका दिया है। रविवार को धुले से शिव सेना ठाकरे गुट के सह संपर्क प्रमुख हिलाल माली शिव सेना में शामिल हो गये। वह अपने हजारों समर्थकों के साथ एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में ठाणे में शिवसेना में शामिल हुए। पालघर में शिवसेना का ठाकरे गुट संकट में है। पालघर की पूर्व महापौर प्रियंका पाटिल, पूर्व उपमहापौर रवींद्र पाटिल, पूर्व नगरसेविका दीपा पामले, शिवसेना के उप शहर प्रमुख प्रवीण पाटिल और युवा एल्गार संगठन के अध्यक्ष विराज गडग ठाणे के टेम्बी नाका में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में शिवसेना में शामिल हुए।

यह शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इस अवसर पर सांसद नरेश म्हस्के, संचार प्रमुख रवीन्द्र फाटक, पालघर जिला अध्यक्ष कुन्दन नाजरा भी उपस्थित थे।

शिवसेना में शामिल हुए हिलाल माली और उनके समर्थक

इस बीच, दूसरी ओर रविवार को धुला में शिवसेना ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा है। शिव सेना ठाकरे समूह के सह-संचार प्रमुख हिलाल माली शिव सेना में शामिल हो गए हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में हिलाल माली अपने कई कार्यकर्ताओं के साथ शिवसेना में शामिल हुए। इसे उद्धव ठाकरे गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। हिलाल माली का धुले शहर समेत ग्रामीण इलाकों में जबरदस्त जनसंपर्क है।

हिलाल माली के साथ-साथ कई लोग शामिल हुए

हिलाल माली के साथ-साथ उपजिला प्रमुख, उपमहानगर प्रमुख पंचायत समिति सदस्य, पूर्व नगरसेवक समेत कई लोग शिवसेना में शामिल हुए हैं। कहा जा रहा है कि हिलाल माली के पार्टी में आने से धुले ग्रामीण में शिवसेना को काफी मजबूती मिली है। हिलाल माली धुले ग्रामीण से उम्मीदवारी नहीं मिलने के बाद से शिव सेना ठाकरे समूह से नाराज थे, आखिरकार वह अब शिव सेना में शामिल हो गए हैं।

बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट को बड़ा झटका लगा था और इंडिया गठबंधन को पराजय का सामना करना पड़ा था। जबकि महायुति की जीत हुई थी। महायुति के घटक दल बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी ने फिर से मिलकर महाराष्ट्र में सरकार बनाई है। देवेंद्र फडणवीस राज्य के सीएम और एकनाथ शिंदे और अजित पवार राज्य के उपमुख्यमंत्री बने हैं।

सुरेश धस के आरोप पर एनसीपी का पलटवार

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले को लेकर जारी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच भाजपा विधायक सुरेश धस लगातार एनसीपी नेता धनंजय मुंडे पर भी निशाना साध रहे हैं। शनिवार को धस ने आरोप लगाया कि हत्या के मामले में पुणे से गिरफ्तार किए गए दो लोग सिर्फ 'मोहरे' हैं, जबकि 'मुख्य आरोपी' खुलेआम घूम रहे हैं। इस दौरान उन्होंने एनसीपी प्रमुख अजित पवार पर भी निशाना साधा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता सूरज चव्हाण ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के विधायक सुरेश धस द्वारा बीड जिले में एक सरपंच की हत्या की जांच को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर निशाना साधने पर आपत्ति जताई।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में सूरज चव्हाण ने पूछा कि क्या विधायक सुरेश धस को हत्या की निष्पक्ष जांच को लेकर राज्य के गृह विभाग पर भरोसा नहीं है। गृह विभाग का प्रभार मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस संभाल रहे हैं।

एनसीपी को कोई भी व्यक्ति संलिप्त पाया गया तो होगी कार्रवाई

सूरज चव्हाण ने कहा कि अगर एनसीपी का कोई भी व्यक्ति हत्या मामले में संलिप्त पाया जाता है तो अजित पवार उसके खिलाफ कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे। बीड जिले के मसाजोग के सरपंच देशमुख का 9 दिसंबर को कथित तौर पर कुछ लोगों द्वारा पवनचक्की कंपनी से जबरन वसूली के प्रयास का विरोध करने पर अपहरण कर लिया गया था और बेरहमी से हत्या कर दी गयी थी।

महाराष्ट्र के मंत्री और एनसीपी नेता धनंजय मुंडे के सहयोगी वाल्मिक कराड को जबरन वसूली मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अब

तक इस हत्या मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। आपराधिक जांच विभाग (CID) का एक विशेष जांच दल (एसआईटी) मामले की जांच कर रहा है।

चव्हाण ने कहा कि शनिवार को परभणी में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा विधायक धस ने एनसीपी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर निशाना साधते हुए पूछा कि उनके वादे का क्या हुआ। उन्होंने कहा कि 'यदि एनसीपी का कोई भी व्यक्ति हत्या मामले में संलिप्त पाया गया तो अजित पवार उसे नहीं छोड़ेंगे।' एनसीपी नेता ने कहा कि 'मैं देवेंद्र फडणवीस से अनुरोध करना चाहता हूं कि वह विधायक धस से महायुति गठबंधन के सौहार्दपूर्ण माहौल को खराब न करने के लिए कहें। अगर अजित पवार को बदनाम किया गया तो हम उचित जवाब देंगे।'

मध्य रेल
शुद्धिपत्र
मुंबई मडल

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि निविद **सूचना सं. म.रे./म.रे.प्र.(कार्य)बी.बी./2024/30** में अ.क्र. 08 और 09 पर प्रकाशित कार्य की निविदा दिनांक 10.01.2025 को खुलनी है **जो अब प्रशासनिक कारण से दिनांक 17.01.2025 को खुलेगी।**

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
छ.शि.म.ट.मुंबई

656

रेल्वे फाटक को बंद स्थिति में पार करना मना है

मध्य रेल
व्यापक रखरखाव का कार्य

ई-निविदा सूचना क्र. पीजी_डीटीएल_2024-25_ओपी_16 1. कार्य का नाम: एमटीएन वर्कशॉप में 744 एलएचबी एसी कोचों के आरएमपीयू के पीओएच और अन्य शेड्यूल के लिए व्यापक रखरखाव अनुबंध **2. कार्य की अनुमानित:** रु. **44,71,69,650.14/- 3. बयाना राशि:** रु. **23,85,900/- 4. समाप्ती अवधी:** **24** महीना **5. निविदा भरने का अंतिम दिन और समय:** दिनांक 23.01.2025 दोपहर 12 बजे तक **6. ऑफर की वैधता:** 90 दिन

654

रेल्वे फाटक को बंद स्थिति में पार करना मना है

घाटकोपर में पकड़े गए 13 अवैध बांग्लादेशी नागरिक, साल 2024 में ऐसा रहा आंकड़ा

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

महाराष्ट्र में पिछले कुछ महीनों से लगातार एटीएस की टीम के साथ महाराष्ट्र पुलिस अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर रही है। इस मामले में रविवार को घाटकोपर से भी गिरफ्तारी की खबर आई है।

महाराष्ट्र में पुलिस ने अवैध तरीके से राज्य में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ एक्शन लिया है। इस एक्शन के तहत पुलिस और एटीएस टीम ने अब तक कई बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अब खबर आ रही है की मुंबई के घाटकोपर में पुलिस ने एक बार फिर अवैध बांग्लागेशियों पर कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार किया है।

मुंबई में घाटकोपर ईस्ट से पुलिस ने नाला सोपारा में अवैध रूप से रहने के आरोप में चार नाबालिगों सहित 13 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। बताया गया कि ये गिरफ्तारियां पिछली गिरफ्तारी से मिली जानकारी के आधार पर की गई हैं। पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरफ्तारी के बाद उन्हें और अन्य अवैध प्रवासियों के बारे में और जानकारी मिलेगी।

पुलिस ने दी जानकारी

इस मामले में उन्हें कार्रवाई करते हुए इस बात का खुलासा किया था। इस पर पुलिस की टीम ने 5 पुरुष, 4 महिला और 4 छोटे बच्चों को मिलाकर कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया, जांच में उनके बांग्लादेशी होने का खुलासा हुआ। बताया गया कि वे सभी यहां काम के सिलसिले में आए थे। मामले में आगे की जांच चल रही है।

2024 के बांग्लादेशियों के आंकड़े

आपको बताते चले कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस इन लोगों को वापस डिपोर्ट करने करती है लेकिन कार्रवाई में देरी के कारण डिपोर्ट में काफी समय लग जाता है। इस साल 2024 में नवी मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किए विदेशी और बांग्लादेशी नागरिकों का आंकड़ा कुल 653 है। इनमें से 47 बांग्लादेशी पुरुष है 52 बांग्लादेशी महिलाएं हैं। इनमें से अब तक केवल 14 को ही डिपोर्ट किया जा चुका है।

दुर्गा नगर में ECM चोरों का आतंक

वाहन मालिकों में डर का माहौल

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

जोगेश्वरी के दुर्गा नगर इलाके में इन दिनों ECM चोरों का खौफ बढ़ता जा रहा है। खासकर, सुज़ुकी कंपनी की Access और Burgman स्कूटर्स को निशाना बनाया जा रहा है। इन गाड़ियों में लगा ECM (Electronic Control Module) पार्ट आसानी से चोरी किया जा सकता है, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 7500 बताई जा रही है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस की ओर से कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो रही है। वाहन मालिकों ने चिंता जताई है कि अगर जल्द ही इस पर लगाम नहीं लगाई गई, तो चोरों का हौसला और बढ़ सकता है।

सुज़ुकी स्कूटर्स के मालिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

गाड़ियों को सुरक्षित जगहों पर पार्क करने और अतिरिक्त सुरक्षा उपकरण लगाने का आग्रह किया जा रहा है।

पुलिस ने नागरिकों को भरोसा दिलाया है कि क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाएगी और दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। फिर भी, दुर्गा नगर में चोरी की इन घटनाओं से लोग खौफजदा हैं।

मध्य रेल
डिजाइन आपूर्ति और निर्माण कार्य

खुली निविदा सूचना सं. BB.LD.585.W.859.CONTR4 दिनांक 01.01.2025 **कार्य का नाम: निविदा क्रमांक BB.LD.585.W.859.CONtR4** मुंबई डिवीजन के CSMT-PNVL खंड में,SNRD-VDLR-King Circle-GTB Nagar में विशेष ओएचई स्टील संरचनाओं की डिजाइन आपूर्ति सहित सभी सहायक उपकरणों की आपूर्ति तथा ओएचई फाउंडेशन निर्माण। **अनुमानित लागत:** ₹ 6,08,45,520/- **बिड सिक्योरिटी:** ₹ 4,54,200/- **ऑफर की वैधता:** 60 दिन **समापन अवधि:** 12 महीने **निविदा फार्म का मूल्य:** ₹ 0 **I)** उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय: दिनांक 03.02.2025 को 11.00 बजे तक और 11.00 बजे के बाद खोला जाएगा। **II)** शुध्दिपत्रक के विवरण हेतु अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। **III)** केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से उपर्युक्त इलेक्ट्रॉनिकलि ई-टेन्डर में निविदाधारक सहभाग ले सकते है और ई-टेन्डर के अलावा हस्तचलित प्रस्तुत करने का निवेदन देने की अनुमति नही है। हस्तचलित रूप से, यदि निविदा खुलने के बाद की प्रस्तुति का विचार नही किया जाएगा। **IV)** निविदा दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार बिड सिक्योरिटी का भुगतान किया जाना चाहिए। **V)** अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क: वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्सभवन, सीएसएमटी मुंबई-400001। फोन - 022 - 22612355 निवीदाओं संबंधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी संपूर्ण विवरण वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्सभवन, सीएसएमटी मुंबई-400001 के "नोटिस बोर्ड" पर भी उपलब्ध है।

653

रेल्वे फाटक को बंद स्थिति में पार करना मना है

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

स्कूली शिक्षा : चिंताजनक तस्वीर

एक ओर तो भारत विश्वगुरु होने का दावा कर रहा है, तो वहीं दूसरी तरह स्कूली शिक्षा में बड़ी गिरावट की रिपोर्ट सामने आ रही है जो बेहद चिंताजनक है। स्वयं केन्द्र सरकार द्वारा जो आंकड़े जारी किये गये हैं वे भारत की भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं- वर्तमान व भावी दोनों ही। कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि ज्ञान के बिना कैसा भारत बनेगा। वैसे तो सम्बन्धित विभाग द्वारा इन आंकड़ों को अब न्यायसंगत बतलाने की कवायद भी जारी है, लेकिन यथार्थ यही है कि शिक्षा के मामले में भारत में बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। स्कूली शिक्षा ही उच्चतर शिक्षा, शोध और यहां तक कि अध्ययन के पश्चात देश को चलाने वाली पीढ़ी के स्तर को भी तय करती है। अगर नयी पीढ़ी का शैक्षणिक स्तर खराब रहा तो, जैसा कि आंकड़े बतला रहे हैं, देश का एक स्याह व निराशाजनक भविष्य ही दिखता है। सरकार को चाहिये कि तमाम मतांतरों को एक तरफ रखकर शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने में जुट जाये। सभी तरह के पूर्वाग्रहों को छोड़कर हर बच्चे को स्कूली शिक्षा, वह भी गुणवत्तायुक्त दिलाना सरकार का पहला कर्तव्य होना चाहिये। शिक्षा मंत्रालय की एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) द्वारा साल 2023-24 की जो रिपोर्ट जारी की गयी है, उसके अनुसार इस वर्ष के दौरान देश भर के स्कूलों में 37 लाख नामांकनों की कमी आई है। यूडीआईएसई नामक यह प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों के आंकड़े एकत्र करता है। उसके अनुसार 2022-23 में 25.17 करोड़ नामांकित विद्यार्थी थे जो 2023-24 में घटकर 24.80 करोड़ हो गये। छात्र 21 लाख और छात्राएं 17 लाख घट गयीं। अल्पसंख्यकों की संख्या 20 फीसदी कम हुई। हालांकि इस विभाग के अधिकारी इन आंकड़ों को तर्कसंगत बताने की कोशिश करते हुए कह रहे हैं कि डेटा संग्रहण प्रणाली में परिवर्तन हुआ है। 2021-22 के पहले तथा अब के आंकड़ों में तुलना नहीं हो सकती और वास्तविक स्थिति अलग है। वे यह भी बतला रहे हैं कि 2030 तक सभी स्तरों तक स्कूली शिक्षा उपलब्ध कराई जायेगी। अन्य तथ्यों तथा विभागीय अधिकारियों द्वारा 2030 से सम्बन्धित तमाम दावों को एक ओर रख दिया जाये, तो भी इन आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि यह स्थिति कोई उम्मीद लेकर नहीं आती। आधुनिक विश्व में शिक्षा का महत्व सभी जानते हैं। बगैर अथवा गुणवत्ताहीन शिक्षा के आधार पर कोई भी व्यक्ति, समाज या देश विकास की कल्पना भी नहीं कर सकता। जो भी देश आज अग्रणी, विकसित और सही मायनों में आधुनिक हैं, वे दरअसल अनिवार्य, सभी की सहज पहुंच वाली तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा व्यवस्था के कारण ही हैं। इसलिये आधुनिक भारत के निर्माताओं ने इस पर बहुत जोर दिया था। वर्षों की गुलामी से बाहर निकले भारत को सीमित संसाधनों व अनेक दुश्वारियों के बावजूद तेजी से विकास की राह पर अग्रसर करने के लिये आधुनिक शिक्षा प्रणाली की बुनियाद रखी गयी थी। देश भर में शासकीय स्कूलों एवं कॉलेजों का जाल बनाया गया। राष्ट्र निर्माताओं की वह ऐसी पीढ़ी-लिखी जमात थी जो उच्च शिक्षित तथा विद्वान थी। इसलिये उसे शिक्षा का महत्व मालूम था। इसी शिक्षा व्यवस्था ने देश को जल्दी ही आधुनिक देशों की पंक्तियों में ला खड़ा किया था। न सिर्फ शालेय शिक्षा बल्कि उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिये भी अल्प समय में कई विश्वविद्यालय, आईआईएम, इंजीनियरिंग, आईआईटी जैसे संस्थान खोले गये थे। इनसे निकले युवाओं ने देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की बुनियादी शिक्षा कमजोर होती है तो वह सरकार व राजनीतिक दलों के लिये तो लाभदायक है, पर समाज व देश के लिये घातक साबित होगी।

बांग्लादेश में उगेगा नया सूरज, छंटेगा अत्याचार का अंधेरा

राजेश कसेरा

वरिष्ठ पत्रकार, राजनीतिक विश्लेषक और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के जानकार हैं। देश के कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिए लिखते हैं। ख्यात समाचार पत्रों में संपादक की भूमिका भी निर्वहन किया है।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार की इंतहा उस समय सबसे ज्यादा दिखी जब सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता और इस्कॉन के पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को देशद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया। उनका कुसूर इतना था कि उन्होंने हिंदू अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए आवाज उठाई। उस कट्टरपंथी भीड़ के खिलाफ स्वर मुखर किए जो प्रदर्शन कर रहे हिंदुओं को दौड़ा-दौड़ा कर पीट रहे थे। उनके खिलाफ हिंसक बर्ताव कर रहे थे। हालांकि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हिंसा का ये पहला पहला नहीं था। बीते पांच दशक से वहां पर गैर मुस्लिमों पर जुल्मो-ओ-सितम हो रहा है। इनमें हिन्दुओं पर अत्याचार के मामले ज्यादा सामने आए हैं। छात्रों के आरक्षण आंदोलन की आड़ में शुरू किया गया यह जघन्य पाप राजनीतिक और कूटनीतिक खेल का हिस्सा है। जुलाई-2024 से शुरू हुए हिसंक प्रदर्शनों की आंच ने भारत को भी दिसंबर तक झुलसाया। प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी ने छात्र आंदोलन को ढाल बनाकर अपने मंसूबे पूरे किए। जिन लोगों ने बांग्लादेश में तख्ता पलट का काम किया, उन्हें पाकिस्तान की आईएसआई का समर्थन प्राप्त रहा। इस षड्यंत्र को पाकिस्तान की सेना और आईएसआई ने मिलकर अंजाम दिया और प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिराकर विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को सत्ता में वापस लेने का रास्ता तैयार किया। उनकी इस चाल से बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी और कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों की ताकत को बढ़ा दिया। बीते छह महीने में बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में चल रही अंतरिम सरकार जो कुछ घटा उसने इस बात को भी साफ किया कि जमात या कट्टरपंथी जैसे हिंसक संगठनों को बढ़ावा देने से वे सरकार के लिए भस्मासुर बन गए। उनको खुली छूट देने का विपरीत प्रभाव ये भी दिखा कि वे युनूस सरकार और बीएनपी के लिए मुसीबत बन गए। बांग्लादेश के साथ विदेशों में यूनुस सरकार की आलोचना बढ़ने लगी। अंतरिम सरकार में कई महत्वपूर्ण सलाहकार पदों पर जमात के करीबियों की नियुक्ति और चुनाव को लेकर हुए विवाद से असंतोष और बढ़ गया है। साल 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के दौरान जमात के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुलेआम पाकिस्तानी सेना के लिए काम किया था।

कई जमात नेताओं पर रजाकर की हत्यारी सेना के नेता के रूप में नरसंहार में शामिल होने का आरोप लगा था। हसीना के कार्यकाल के दौरान अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण ने कई लोगों को सजा सुनाई थी। बीएनपी की मौजूदा लीडर खालिदा जिया के पति जियाउर रहमान पाकिस्तानी सेना में पहले बंगाली अधिकारी के रूप में मुक्ति संग्राम में शामिल हुए थे।

देखा ताए तो बांग्लादेश में हिंसा और तख्ता पलट की पटकथा मोहम्मद युनूस को केन्द्र में रखकर लिखी गई। जुलाई-2024 में आरक्षण आंदोलन से दो महीने पहले अमेरिका में दिए एक इंटरव्यू में यूनुस ने कई तरह के संकेत दिए थे। उन्होंने ये तक कहा था कि उनके देश को रीसेट करने का समय आ गया है। उन्होंने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की चर्चा के दौरान ये भी कहा था कि शेख हसीना सरकार ने ठोस कदम नहीं उठाए तो बांग्लादेश के इस्लामवादी गढ़ बनने की पूरी आशंका है। इससे पूर्वी भारत के लिए भयावह परिणाम सामने आएंगे। फिर ऐसा हुआ भी। इस्लामवादियों के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव के

कारण बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति और खराब हो गई है। चूंकि हिंदू समुदाय अवामी लीग का समर्थक माना जाता रहा, इसलिए अगस्त-2024 के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का सबसे बुरा असर उन पर पड़ा। हिंदुओं के राजनीतिक नेतृत्व के उत्पीड़न के साथ 1.3 करोड़ की आबादी में भी असुरक्षा पैदा करने की सोची-समझी साजिश को अंजाम दिया गया।

वहां 4 से 20 अगस्त के बीच अल्पसंख्यकों पर हमलों की 2 हजार 10 घटनाएं हुईं। 22 अगस्त से 12 अक्टूबर के बीच 57 घटनाएं हुईं। हिंसा की पहली लहर से लगभग 50000 लोग प्रभावित हुए। 69 पूजा स्थलों (मुख्य रूप से हिंदू मंदिरों) पर हमला कर तोड़फोड़ की गई और उनको आग लगा दी गई। इतना ही नहीं, बांग्लादेश में दुर्गा पूजा लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध और भय के माहौल के बीच हुई। अतीत में भी हिंदुओं पर उत्पीड़न की घटनाओं के सामने आने के बाद वे जान बचाने के लिए वैध या अवैध तरीकों से भारत में घुसते थे। स्वतंत्रता के समय पूर्वी पाकिस्तान की हिंदू आबादी लगभग 23% थी, लेकिन 2022 तक यह घटकर सिर्फ 8% रह गई। वहीं मुसलमानों की आबादी 1951 में 76 प्रतिशत से 2022 में 91 प्रतिशत से अधिक हो गई है। बांग्लादेश में हर साल 2.3 लाख हिंदू देश छोड़ने को मजबूर होते हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की रिपोर्ट की मानें तो 1964 और 2013 के बीच 1.1 करोड़ से अधिक हिंदू धार्मिक उत्पीड़न के कारण बांग्लादेश से भाग गए। 2011 की जनगणना से पता चला कि 2000 से 2010 के बीच देश की आबादी से दस लाख हिंदू गायब हो गए। इस पलायन का बड़ा कारण इस्लामिक राज्य में रहने की असुरक्षा का भाव बना। लेकिन इस बार हिन्दुओं ने दबने या भागने की बजाय अपनी आवाज को बुलंद करने का काम किया। चिन्मय कृष्ण दास और इस्कॉन में उनके कई पूर्व सहयोगियों की तरफ से किए गए नेतृत्व के कारण ढाका और चटगांव जैसे स्थानों पर हिंदुओं की ओर से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए गए। भारत भागने की कोशिश करने के बजाय नेतृत्व ने यह संदेश दिया कि बांग्लादेश भी उनका देश है और वे अपने अधिकारों के लिए खड़े होंगे और लड़ेंगे। इसने हिंदू समुदाय को उन लोगों के साथ सीधे संघर्ष में खड़ा कर दिया है, जो हिंदू-मुक्त पूर्वी पाकिस्तान के मूल पाकिस्तानी डिजाइन को पूरा करना चाहते हैं।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों की मजबूरी के चलते भारत भले सीधे बांग्लादेश के अंदरुनी मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। लेकिन अमेरिका में जो बाइडेन की सरकार जाने के बाद हालात एकदम से बदलें हैं। बांग्लादेश अपने पड़ोसी साथी पाकिस्तान का साथ लेकर जो खेल चीन और अमेरिका की सरपरस्ती में खेलने की योजना बना चुका था, वह 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रम्प सरकार के सक्रिय होने पर फुस्स साबित हो जाएगा। अमेरिका में ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद बांग्लादेश में सुलगती आग ठंडी पड़ी है।

भारत की मोदी सरकार भी इस आंच के बुझने का इंतजार कर रहा है। ट्रम्प और मोदी की मुलाकात के साथ ही दोनों सरकारों के बीच कामकाज शुरू होते ही बांग्लादेश की परिस्थितियां भी बदल जाएंगी। वहां लोकतंत्र की बहाली होने में भारत और अमेरिका की दोस्ती का असर दिखेगी। साथ ही अंतरराष्ट्रीय दबाव भी और बढ़ेगा। उस स्थिति में बांग्लादेश में गैर मुस्लिमों के दिन भी बदलेंगे। पर, यहां एक बड़ा बदलाव इस रूप में भी दिखना चाहिए कि बांग्लादेश में हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के लिए ठोस कानून बने और उनकी सरंक्षा-सुरक्षा के लिए कारगर कदम उठाए जाएं। साथ ही कट्टरपंथियों को भी कड़ा सबक सिखाया जाए।

rajesh.kasera8@gmail.com

जीवन मंत्र

उपदेशों को जीवन में उतारें

यह महत्वपूर्ण है कि हमें जीवन-मूल्यों पर विशेष जोर देना चाहिए। जब हम पूजा करते हैं और मंदिर जाते हैं, तो हमें जीवन के दर्शन को और अपने महान ऋषियों और उनके उपदेशों को अपने दैनिक जीवन में उतारना भी चाहिए।

चाहे आप कर्म मार्ग अपनाएं, भक्ति मार्ग अपनाएं या ज्ञान मार्ग; ये तीनों, यानी ज्ञान, भक्ति और कर्म परम लक्ष्य को पाने के साधन हैं। ऐसे ज्ञानी लोग बहुत कम होते हैं, जो सिर्फ अपने ज्ञान, अपनी विद्या की मदद से पूर्णता प्राप्त करते हैं। वे विविधता में एकता को बाहर ही नहीं, बल्कि अपने भीतर भी देख सकते हैं। इसी तरह, निःस्वार्थ भाव से काम करने वाला कर्मयोगी परिणामों की ज्यादा परवाह नहीं करता। वह बस अपना कर्तव्य करता है और परिणाम ईश्वर पर छोड़ देता है। मगर हम जैसे कमजोर लोगों के लिए, चाहे आप राजनीतिक क्षेत्र में काम करते हों या सामाजिक क्षेत्र में या किसी अन्य क्षेत्र में, अगर आपको सफलता प्राप्त करनी है, अपनी जिम्मेदारियां पूरी तरह निभानी हैं, तो भक्ति और कर्म का मेल होना ही चाहिए।

मैं जानता हूं कि अतीत में धर्म ने देश में चमत्कार किए हैं, धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राजनीतिक नजरिये से भी। यह भारत के पूर्ण एकीकरण का स्रोत और साधन रहा है। संगम में डुबकी लगाने के लिए हजारों

लोग अलग-अलग हिस्सों से प्रयाग, इलाहाबाद जाते हैं। इसी प्रकार, हजारों लोग रामेश्वरम तथा भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर जाते हैं। अगर धर्म का सही तरीके से पालन किया जाए, तो यह न केवल लोगों को वास्तविक संतुष्टि दे सकता है, बल्कि देश में एक महान परिवर्तन और क्रांति भी ला सकता है। निस्संदेह, देव-दर्शन से बहुत शांति मिलती है। लेकिन भीतर का दर्शन भी महत्वपूर्ण है। भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन कर हम क्षण भर के लिए खुश हो जाते हैं और बाहर आते ही जान-बूझकर या किसी गुप्त उद्देश्य या मकसद से ऐसे काम कर बैठते हैं, जो नैतिकता के नियमों के विरुद्ध हैं। धर्म का पालन भीतर से भी होना चाहिए।

मुझे बहुत खुशी है कि इस समय देश में ऐसी इच्छा दिखती है। खास तौर पर हमारी युवा पीढ़ी को- मैं हिंदुओं की बात कर रहा हूं- गीता, महाभारत और रामायण के बारे में कुछ न कुछ जानना चाहिए। हमारे कितने युवा, खास तौर पर लड़कों ने पूरी गीता, पूरी रामायण और पूरी महाभारत पढ़ी है? उन्होंने नहीं पढ़ी है। वे ऐसा नहीं करते हैं। गांधीजी ने एक बार कहा था कि 'मैं उस लड़के को हिंदू नहीं मानता, जिसने पूरी रामायण और पूरी भगवद् गीता नहीं पढ़ी है।' वास्तव में, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर हिंदू लड़के को संस्कृत सीखनी चाहिए, ताकि वह भगवद् गीता व महाभारत पढ़ सके।

शख्सियत | भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

हिन्दी जगत भारतेंदु हरिश्चन्द्र का सदैव ऋणी रहेगा

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र आधुनिक हिंदी साहित्य के पितामह कहे जाते हैं। उनका जन्म 9 सितम्बर सन् 1850, काशी में हुआ था। भारतेन्दु हिन्दी में आधुनिकता के पहले रचनाकार थे। भारतीय लोगों में विदेशी सभ्यता के प्रति आकर्षण था। ब्रिटिश आधिपत्य में लोग अंग्रेजी पढ़ना और समझना गौरव की बात समझते थे। हिन्दी के प्रति लोगों में आकर्षण कम था, क्योंकि अंग्रेजी की नीति से हमारे साहित्य पर बुरा असर पड़ रहा था। हम ग़ुलामी का जीवन जीने के लिए मजबूर किए गए थे। हमारी संस्कृति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था। ऐसे वातावरण में जब बाबू हरिश्चन्द्र अवतारित हुए तो उन्होंने सर्वप्रथम समाज और देश की दशा पर विचार किया और फिर अपनी लेखनी के माध्यम से विदेशी हुकूमत का पर्दाफ़ाश किया। उनकी मृत्यु 6 जनवरी, सन् 1885 हो हुई।

बाबू हरिश्चन्द्र बहुमुखी प्रतिभा से सम्पन्न थे। उन्होंने समाज और साहित्य का प्रत्येक कोना झांका है। अर्थात् साहित्य के सभी क्षेत्रों में उन्होंने कार्य किया है। किन्तु यह ख़ेद का ही विषय है कि 35 वर्ष की अल्पायु में ही वे स्वर्गवासी हो गये थे। यदि ऐसा न होता तो सम्भवतः हिन्दी साहित्य का कहीं और ज्यादा विकास हुआ होता। यह उनके व्यक्तित्व की ही विशेषता थी कि वे कवि, लेखक, नाटककार, साहित्यकार एवं संपादक सब कुछ थे। हिन्दी साहित्य को पुष्ट करने में आपने जो योगदान प्रदान किया है वह सराहनीय है तथा हिन्दी जगत आप की सेवा के लिए सदैव ऋणी रहेगा। इन्होंने अपने जीवन काल में लेखन के अलावा कोई दूसरा कार्य नहीं किया। तभी तो 35 वर्ष की अल्पायु में ही 72 ग्रन्थों की रचना करना सम्भव हो सकता था। इन्होंने छोटे एवं बड़े सभी प्रकार के ग्रन्थों का प्रणयन किया है। इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार में इनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है और अपने कार्यों से इन्होंने हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में सदा के लिए स्थायी रूप से स्थान बनाया है। अपनी विशिष्ट सेवाओं के कारण ही ये आधुनिक हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल के प्रवर्तक कहे जाते हैं। पंत जी ने इनके बारे में ठीक ही कहा है-

भारतेन्दु कर गये,
भारती की वीणा निर्माण।
किया अमर स्पर्शों में,
जिसका बहु विधि स्वर संधान।

अतः यह कहा जा सकता है कि बाबू हरिश्चन्द्र जी हिन्दी साहित्य के आकाश के एक देदीप्यमान नक्षत्र थे। उनके द्वारा हिन्दी साहित्य में दिया गया योगदान महत्त्वपूर्ण एवं सराहनीय है।

जीवन ऊर्जा

कपिल देव : जन्म - 6 जनवरी 1959 | जन्म

ईमानदारी निश्चित रूप से सर्वोत्तम नीति है

कपिल देव निखंज एक भारतीय पूर्व क्रिकेटर हैं। उनका जन्म 6 जनवरी 1959 चंडीगढ़, भारत में हुआ है। क्रिकेट के इतिहास में वह सबसे महान ऑलराउंडरों में से एक हैं। वह एक तेज़-मध्यम गेंदबाज और एक हार्ड-हिट मध्य-क्रम बल्लेबाज थे, देव क्रिकेट के इतिहास में 400 से अधिक विकेट (434 विकेट) लेने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं) और टेस्ट में 5,000 से अधिक रन बनाए।

मैं इंग्लैंड से नफरत करता था, क्योंकि उन्होंने मेरे देश पर शासन किया था, लेकिन मुझे खुशी है कि उन्होंने हमें क्रिकेट का खेल दिया, जिसे वे बहुत अच्छे से नहीं खेल सकते और अंग्रेजी भाषा दी, जिसे मैं बहुत अच्छे से नहीं बोल सकता। जब आपको काम करना हो तो मुस्कुराकर काम करें। हर व्यक्ति को नकारात्मक चीजें मिलती हैं, वे उन नकारात्मक चीजों से सीखते हैं और आप एक सकारात्मक व्यक्ति बन जाते हैं। दीर्घावधि में, मेरा मानना है कि ईमानदारी निश्चित रूप से सर्वोत्तम नीति है। थोड़े समय के लिए बेईमानी करके कोई बच सकता है, लेकिन अंततः ईमानदारी से ही लाभ मिलता है।

अगली पीढ़ी हमेशा पिछली पीढ़ी से बेहतर रही है और रहेगी। अगर ऐसा

नहीं होता तो दुनिया आगे नहीं बढ़ पाती। अगर आपके पास दो अच्छे ऑफ स्पिनर हैं तो दोनों को खेलने में क्या दिक्कत है। मुझे कभी समझ नहीं आया कि 'एमनेस्टी' शब्द सही है या नहीं। शायद मैं बहुत बुद्धिमान नहीं हूं, लेकिन मैंने अर्थ जानने के लिए शब्दकोश की जांच की। जब हम खेलते थे तो सोचते थे कि सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड कोई नहीं तोड़ सकता। उस समय 50 टेस्ट शतकों के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। इन परिस्थितियों में यह निश्चित रूप से एक बड़ी दस्तक है, 200 और 300 से भी बेहतर। धोनी ने आक्रामक तरीके से खेलने के लिए जड़ेजा का समर्थन किया और शॉर्ट गेंदबाजी करने के लिए इशांत का समर्थन किया। मैंने उनसे बेहतर भारतीय कप्तान नहीं देखा। मेरी कोई राजनीतिक आकांक्षा नहीं है! इतना ही। ओशो की किताबें मुझे ध्यान करने के लिए प्रेरित करती हैं। वे मुझे मानसिक शांति देते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

तांबे के बर्तन में रखा जल पीने से अनेक प्रकार के फायदे

आयुर्वेद के अनुसार तांबे के बर्तन में रखे पानी को पीने से आपके शरीर के तीनों दोश वात, कफ़ व पित्त दूर हो जाते हैं। इसके लिए तांबे के बर्तन में पानी को कम से कम आठ घंटे के लिए रखा जाना चाहिए। दरअसल, जब पानी को तांबे के बर्तन में रखा जाता है तो तांबा पानी में उतर आता है और उसके सारे अच्छे तत्व उस पानी में मिल जाते हैं। इस पानी की सबसे अच्छी बात ये है कि ये कभी बासी नहीं होता इसे लंबे वक्त तक रखा जा सकता है। आइये जानते हैं तांबे के बर्तन में रखा पानी आपकी सेहत को किस तरह से फायदे पहुंचा सकता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक। मो. नं. 9425980556

दिल का रखे ख्याल

दिल की बीमारियां इन दिनों आम हो चुकी हैं। तांबा दिल की बीमारी के जोखिम को कम कर सकता है। अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार तांबे ब्लड प्रेशर और दिल की धड़कनों को नियंत्रित रखने में मदद करता है। साथ ही साथ कोलेस्ट्रॉल कम करता है।

पाचन क्रिया बेहतर

खाना पचाने में दिक्कत बहुत आम समस्याएं हैं। तांबे के बर्तन में रखे पानी को पीने से इनसे छुटकारा मिल सकता है। तांबे में ऐसे तत्व मौजूद होते हैं जो नुकसानदायक बैक्टीरिया को

खत्म करते हैं और पेट की सूजन मिटाते हैं। अल्सर अपच और इंफेक्शन जैसी पेट की समस्याओं के लिए ये एक असरदार उपाय है। आयुर्वेद के अनुसार पेट के रोग मिटाने के लिए रात भर तांबे के बर्तन में रखे पानी को सुबह खाली पेट पीना चाहिये।

वजन घटाने में मदद

वजन कम करने के लिए असरदार माने जाने वाले फाइबरयुक्त चीजें खाने के बावजूद भी अगर आपका वजन कम नहीं होता तो नियमित रूप से तांबे के बर्तन में रखे पानी को पियें, इस पानी से आपके शरीर की चर्बी कम होती है।

मस्तिष्क के लिए अमृत

एक तंत्रिका कोशिका के दूसरे तंत्रिका कोशिका तक संदेश पहुंचाने से ही हमारा दिमाग काम कर पाता है। ये तंत्रिका कोशिकाएं मायलिन नाम के आवरण से ढंकी हुई होती हैं जो इनकी संदेश पहुंचाने के काम में मदद करता है। तांबा इस मायलिन आवरण के तैयार होने में मदद करता है।

बैक्टीरिया का सफाया

तांबे में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो बहुत प्रभावी रूप से बैक्टीरिया का सफाया कर देते हैं। खासतौर पर ईकोली पर अपना असर दिखाते हैं जो हमारे पर्यावरण में पाए जाते हैं तो हमारे शरीर में प्रवेश करके उसे नुकसान पहुंचाते हैं।

एजिंग की रफ्तार कम करना

अगर आपके चेहरे पर आती झुर्रियों से परेशान हैं तो तांबा आपके लिए प्राकृतिक उपचार साबित हो सकता है। बहुत उच्च मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होने और कोशिका निर्माण की क्षमता की वजह से तांबा फ्री रेडिकल्स का सफाया करता है जो कि झुर्रियों का मुख्य कारण है। साथ ही इससे तांबे की मदद से पुरानी कोशिकाओं की जगह नई कोशिकाएं ले लेती हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद

आंखों बालों व त्वचा के रंग को बेहतर बनाने वाला पिगमेंट मिलेनिन होता है। मिलेनिन त्वचा को सन डैमेज और निशानों से बचाता है। तांबा इसके निर्माण के लिए मुख्य घटक होता है इसके अलावा तांबा त्वचा की नई कोशिकाओं के निर्माण में भी मदद करता है। आयुर्वेद के अनुसार हर रोज सुबह तांबे का पानी पीने से त्वचा में बहुत फर्क आता है।

जख्म जल्दी भरते हैं

तांबे में उच्च मात्रा एंटीबैक्टीरियल एंटीवायरल और एंटी इन्फ्लेमेटरी तत्व होने की वजह से इससे जख्म जल्दी भरते हैं। इसके अलावा तांबे से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और नई कोशिकाएं बनने में भी मदद होती है। तांबे के बर्तन में जब पानी डालकर रखें तो उसे ढंकना न भूलें तांबे के बर्तन को धोने के लिए नींबू का इस्तेमाल करें।

सक्सेस मंत्र

मुश्किलों से लड़ने के लिए रहें तैयार

मुश्किलें हर किसी के जीवन में आती हैं। कुछ लोग उसमें उलझकर अपना रास्ता भटक जाते हैं। मगर कुछ ऐसे लोग भी होते हैं, तो इनसे जूझकर बाहर निकलते हैं और विजेता बनते हैं। इसलिए अपनी तकलीफों का मुकाबले किसी के साथ करने में कोई समझदारी की बात नहीं है। इससे बेहतर होगा अपने लक्ष्य की तरफ ध्यान केंद्रित करना। यह कहानी भी कुछ ऐसी ही है। इसमें छोटी सी बच्ची अपनी मुश्किलों से परेशान हो जाती है। जब वह अपने पिता से इस बारे में बात करती है, तो वह उसे जो सीख देते हैं वह नायाब है। एक दिन एक छोटी सी लड़की अपने पिता को अपना दुख व्यक्त करते-करते अपने जीवन को कोसते रही थी। वह बता रही थी कि उसका जीवन बहुत ही मुश्किल दौर से गुजर रहा है। साथ ही उसके जीवन में एक दुख का समय जाता है तो दूसरा चला आता है और वह इन मुश्किलों से लड़-लड़ कर अब थक चुकी है। वह करे तो क्या करे? उसके पिता पेशे से एक शेफ़ थे। अपनी बेटी की इस बात को सुनने के बाद वह उसे रसोईघर लेकर गए और 3 कढ़ाईयों में पानी डाल कर तेज आंच पर रख दिया। जैसे ही पानी गरम हो कर उबलने लगा, पिता ने एक कढ़ाई में एक आलू डाला, दुसरी में एक अंडा और तीसरी में कुछ कॉफी के बीन्स डाल दिए। वह लड़की बिना कोई प्रश्न किये अपने पिता के इस काम को ध्यान से देख रही थी। 15-20 मिनट के बाद उन्होंने गैस बंद कर दी और एक कटोरे में आलू को रखा, दुसरे में अंडे को और कॉफी बीन्स वाले पानी को एक कप में। अब पिता ने बेटी की तरफ उन तीनों कटोरों को दिखाते हुए एक साथ कहा। आलू, अंडे, और कॉफी बीन्स। पिता ने दुबारा बताते हुए बेटी से कहा। पास से देखो इन तीनों चीजों को। बेटी ने आलू को देखा, जो उबलने के कारण मुलायम हो गया था। उसके बाद अंडे को देखा, जो उबलने के बाद अन्दर से कठोर हो गया था। और अंत में जब कॉफी बीन्स को देखा तो उस पानी से बहुत ही अच्छी खुशबु आ रही थी। पिता ने बेटी से पुछा, क्या तुम्हें पता चला इसका मतलब क्या है? फिर पिता ने उसे समझाते हुए कहा, इन तीनो चीजों ने अलग-अलग तरीके से गर्म पानी के साथ प्रतिक्रिया की परन्तु जो मुश्किल उन्होंने झेली वह एक समान थी। फिर उन्होंने अपनी बेटी से कहा, जब विपरीत परिस्थितियां तुम्हारे जीवन में आएंगी, तो तुम क्या बनना चाहोगी आलू, अंडा या कॉफ़ी बीन्स? यह तुम्हें तय करना है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

जानें जनवरी माह का पहला एकादशी व्रत कब है?

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। हर वर्ष 24 एकादशी व्रत पड़ते हैं, यानी हर महीने दो एकादशी व्रत आते हैं। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, एकादशी के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से जीवन में सुख-शांति व समृद्धि आती है। जनवरी महीने की पहली एकादशी को पौष पुत्रदा एकादशी का संयोग बन रहा है। इसे वैकुंठ एकादशी के नाम से भी जानते हैं। जानें जनवरी माह की पहली एकादशी कब है, इसका महत्व, पूजन व व्रत पारण मुहूर्त:

पौष पुत्रदा एकादशी 2025 पूजन मुहूर्त-

ब्रह्म मुहूर्त– 05 :27 ए एम से 06 :21 ए एम
प्रात : सन्ध्या– 05 :54 ए एम से 07 :15 ए एम
अभिजित मुहूर्त– 12 :08 पी एम से 12 :50 पी एम
विजय मुहूर्त– 02 :13 पी एम से 02 :55 पी एम
गोधूलि मुहूर्त– 05 :40 पी एम से 06 :07 पी एम
सायाह्न सन्ध्या– 05 :42 पी एम से 07 :04 पी एम
अमृत काल– 11 :29 ए एम से 01 :00 पी एम

पौष पुत्रदा एकादशी व्रत का महत्व-

जनवरी माह की पहली एकादशी को पौष पुत्रदा एकादशी व्रत रखा जाएगा। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, पुत्रदा एकादशी व्रत साल में दो बार रखा जाता है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, पुत्रदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी की पूजा करने से जातक को संतान सुख प्राप्त होता है। इसके साथ ही संतान को लंबी आयु प्राप्त होती है। पौष पुत्रदा एकादशी को वैकुंठ एकादशी भी कहते हैं। कहा जाता है कि इस व्रत के पुण्य प्रभाव से व्यक्ति सभी सुखों को भोगकर अंत में मोक्ष को जाता है।

पौष पुत्रदा एकादशी व्रत पारण मुहूर्त 2025:

पौष पुत्रदा एकादशी व्रत का पारण 11 जनवरी 2025 को किया जाएगा। व्रत पारण का शुभ मुहूर्त सुबह 07 बजकर 15 मिनट से सुबह 08 बजकर 21 मिनट तक रहेगा। पारण के दिन द्वादशी तिथि समाप्त होने का समय सुबह 08 बजकर 21 मिनट है।

जनवरी महीने की पहली एकादशी कब है 2025:

द्रिक पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि 09 जनवरी 2025 को दोपहर 12 बजकर 22 मिनट पर प्रारंभ होगी और 10 जनवरी 2025 को सुबह 10 बजकर 19 मिनट पर समाप्त होगी। जनवरी महीने का पहला एकादशी व्रत 10 जनवरी 2025 को रखा जाएगा।

रोज करोड़ों गायों के दान के बराबर फल मिलता है कल्पवास से

महाकुंभ में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर कल्पवास करने का नियम है। महाकुंभ में भी देश के विभिन्न भागों से आए हजारों लोग यहां एक महीने कल्पवास में रहने का संकल्प करते हैं। कल्पवास को इस तरह समझ सकते हैं कि कल्पवास का अर्थ है वो तप साधना जिससे आत्म शुद्धि मिलती है। साधु संतों का जीवन तो रोज ही कल्पवास की तरह होता है, लेकिन यह ग्रहस्थों के लिए होता है कि वो किस तरह एक महीना यहां संयमित और अनुशासित जीवन की साधना करते हैं।आपको बता दें कि कल्प का अर्थ है युग और वास का अर्थ है रहना। दूसरे तरीके से समझे तो किसी पवित्र भूमि में कठिन तप के साथ विरक्ति भाव से प्रेरित होकर निश्चित समय तक रहना कल्पवास माना जाता है।

कल्पवास के नियम

शास्त्रतें में कल्पवास के 21 नियम बताए गए हैं। जब तक आप इन नियमों को नहीं मानते तब तक कल्पवास पूरा नहीं माना जाता है। कल्पवास के समय में बिल्कुल भी झूठ नहीं बोला जाता है। अपने घर– गृहस्थी की चिंता बिल्कुल छोड़ देनी चाहिए। इस दौरान गंगा में तीन बार गंगा स्नान करना होता है। इस दौरान गंगा के किनारे शिविर में रहना होता है और शिविर में तुलसी का पौधा रोपनृ होता है। कल्पवास के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इस दौरान बाहर का खाना नहीं खा सकते हैं। खुद या पत्नी के बनाए भोजन को ग्रहण करना होता है। उपदेश सत्संग में भाग लेना होता है। पूरे कल्पवास के दौरान आप पलंग पर नहीं सो सकते हैं, इस दौरान शिविर में जमीन पर सोना , स्वल्पाहार या फलाहार का सेवन करना होता है, सांसारिक चिंता से मुक्त होना होता है। इंद्रियों पर संयम बरतना होता है। पितरों का पिंडदान करना होता है और अहिंसा, विलासिता का त्याग प्रमुख रूप से हैं।

क्या कल्पवास का लाभ

ऐसा कहा जाता है कि कल्पवास यानी एक महीने संगमतट में रहकर व्यक्ति जीवन–मृत्यू के बंधनों से मुक्त हो जाता है। इसे संगम तट पर माघ महीने में एक माह तक पुण्यफल बटोरने के तौर पर देखा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि कल्पवास के दौरान स्नान करने से वही फल है जो रोज करोड़ों गायों के दान का है। इसलिए पौष पूर्णिमा माघ महीने में स्नान और कल्पवास का संकल्प लिया जाता है।

महिलाओं को क्यों मर्दों की तुलना में ज्यादा ठंड लगती है ?

क भी सोचा है क्यों घर में हीटर चलाना या एसी का टेंपरेचर कम ज्यादा करने को लेकर अक्सर पति-पत्नी, भाई-बहन में झगड़े होते हैं। लेकिन कभी सोचा है कि आखिर क्यों हम लोग यानी महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले ज्यादा ठंड लगती है। दरअसल, इसके लिए शरीर का साइंस जिम्मेदार होता है। मर्दों की तुलना में महिलाओं के शरीर में मसल्स कम होती है। भले ही दोनों का वजन एक बराबर हो लेकिन ज्यादातर महिलाओं में स्किन और मसल्स के बीच में फैट की मात्रा ज्यादा होती है। ब्लड वेसल्स से स्किन के बीच में दूरी होने की वजह से भी महिलाओं को ज्यादा ठंडक महसूस होती है। ज्यादातर महिलाओं की मेटाबॉलिज्म रेट काफी कम होती है। जिससे शरीर में गर्मी भी कम पैदा होती है और शरीर का तापमान कम होने पर ठंड भी ज्यादा लगती है। महिलाओं में पीरियड्स की वजह से पूरे महीने हार्मोंस का बैलेंस बदलता रहता है। और, एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन बॉडी टेंपरेचर को कम ज्यादा करते हैं। एस्ट्रोजन के कारण ब्लड वेसल्स फैलती हैं और प्रोजेस्टेरोन ब्लड वेसल्स को कस कर रखता है। महिलाओं में प्रोजेस्टेरोन और एस्ट्रोजन का फैलाव इस तरह होता है कि बॉडी के कुछ अंगों को गर्म रखने के लिए उन जगहों पर कम ब्लड सर्कुलेट होता है। जिससे महिलाओं को ज्यादा ठंड लगती है।

साल 2025 में पैदा हुए बच्चे कहलाएंगे 'Generation Beta'

पेरेंट्स अभी तक 'Gen G' और 'Gen Alpha' के बीच का अंतर सीख ही रहे थे कि साल 2025 से एक और जेनरेशन अस्तित्व में आ गई है। इस नई जेनरेशन का नाम है 'जेनरेशन बीटा'। बता दें, एक जनवरी 2025 से लेकर 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जेनरेशन बीटा' या 'जेन बीटा' के नाम से जाना जाएगा। बच्चों की ये नई पीढ़ी दुनिया को अपने तरीके से एक नया आकार देगी। जनरेशन बीटा अब तक की सबसे स्मार्ट और एडवांस जेनरेशन मानी जाएगी, जहां हर चीज एक क्लिक की दूरी पर होगी। ये बच्चे ऐसे दौर में जन्म लेंगे जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी अत्याधुनिक तकनीकें पहले से ही मौजूद होंगी।

जनरेशन बीटा के बच्चों के लिए कम नहीं होंगी चुनौतियां

जेन बीटा के बच्चे भले ही एडवांस जेनरेशन के होंगे, बावजूद इसके उन्हें कई तरह की चुनौतियों जैसे धरती का बढ़ता तापमान, शहरों का अत्यधिक विस्तार और जनसंख्या वृद्धि का सामना करना पड़ेगा। जिससे निपटने के लिए उन्हें अपने स्वभाव में होशियार, मिलनसार और बदलते हालात के मुताबिक खुद को ढालने की क्षमता विकसित करनी होगी।

जानें कैसे तय होता है पीढ़ियों का नाम

आमतौर पर एक जेनरेशन 15–20 साल की अवधि की होती है। जिसका नाम उस वक्त के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक घटनाओं के आधार पर तय किया जाता है।

ग्रेटेस्ट जनरेशन (1901-1924)

इस पीढ़ी ने महामंदी और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अपना जीवन यापन किया। इस पीढ़ा को उनके लचीलापन और पारंपरिक मूल्यों के लिए जाना जाता है।

साइलेंट जनरेशन (1925-1945)

महामंदी और द्वितीय विश्व युद्ध के परिणामों के कारण इस पीढ़ी को The Silent Generation के नाम से जाना जाता है। इस जेनरेशन के बच्चे मेहनती और आत्मनिर्भर थे।

बेबी बूमर जनरेशन (1946-1964)

इस जेनरेशन का नाम बेबी बूमर्स, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जनसंख्या में भारी वृद्धि के कारण रखा गया। इस जेनरेशन ने आधुनिकता को अपनाया। बेबी बूमर्स जेनरेशन के लोगों ने अपने बच्चे को नए तरीके से बड़ा किया।

जनरेशन X (1965-1979)

जेनरेशन X के लिए टेक्नोलॉजी नई थी। इस युग में इंटरनेट और वीडियो गेम की शुरुआत हुई। इस जेनरेशन के लोग तेजी से बदलती दुनिया में बड़े हो रहे थे। इस जेनरेशन के पेरेंट्स ने अपने बच्चों को हर तरह की सुविधा देने की कोशिश की।

मिलेनियल्स या जेनरेशन Y (1981-1996)

इस जेनरेशन के लोगों ने सब से ज्यादा बदलाव देखा और उससे सीखा। इस पीढ़ी के लोगों ने टेक्नोलॉजी के साथ खुद को अपडेट किया है।

जनरेशन Z (1995-2012)

यह पीढ़ी इंटरनेट, सोशल मीडिया और वैश्विक कनेक्टिविटी के साथ बड़ी हुई, और व्यक्तिवाद पर जोर दिया।

जनरेशन अल्फा (2013-2024)

यह पहली पीढ़ी थी, जिसके पास जन्म से पहले ही सोशल मीडिया और इंटरनेट प्लेटफॉर्म था। इस जेनरेशन के बच्चों के माता–पिता इंटरनेट, मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के साथ बड़े हुए थे।

इन 5 अच्छी आदतों से करें दिन की शुरुआत

इंटरनेट वजन घटाने और सेहतमंद रहने की जानकारी देने वाली सूचनाओं से अटा पड़ा है। कभी सोशल मीडिया पर वजन घटाने के नए-नए ट्रिक्स दिखने को मिलते हैं, तो कभी वजन घटाने और फिट हो जाने वाली सफलता की कहानियां देखकर या पढ़कर हम भौचक्क हो जाते हैं। पर, कई दफा ज्यादा जानकारी भी हमें पशोपेश में डाल देती है। यह सच है कि वजन को नियंत्रित रखने के लिए कैलोरी पर नजर रखना और शारीरिक रूप से सक्रिय रहना जरूरी है। पर, इन सबके साथ अपनी जीवनशैली में कुछ अच्छी आदतों को शामिल करके भी आप मोटापे के बढ़ते खतरे से खुद को बचा सकती हैं। सुबह की कौन-कौन सी आदतें वजन घटाने और फिट रहने में आपके लिए मददगार साबित हो सकती हैं,

गुनगुने पानी से शुरुआत

मोटापे की सबसे मुख्य वजह मेटाबॉलिज्म का धीमा होना है। अपने सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को अगर आप दुरुस्त करना चाहती हैं, तो अपने सुबह की शुरुआत गुनगुने पानी से करें। सुबह उठने के बाद हर दिन एक से दो गिलास गुनगुना पानी पीने से मेटाबॉलिज्म धीमा नहीं पड़ता है। आयुर्वेद के मुताबिक गुनगुने पानी में नीबू का रस या फिर शहद मिलाकर पीने से मेटाबॉलिज्म और तेज होता है और वजन कम करने में मदद मिलती है।

सुबह के नाश्ते से समझौता नहीं

अमूमन लोग सुबह का नाश्ता यह सोचकर नहीं करते हैं कि इससे उन्हें वजन घटाने में मदद मिलेगी। पर, सच्चाई यह है कि इसका न सिर्फ शरीर पर बल्कि वजन पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। अपर्याप्त मात्रा में पोषण हमारे शरीर को भीतर से खोखला बना देता है। कई दफा लंबे समय तक भूखा रहने पर वजन कम होने की जगह बढ़ने लगता है। वहीं, लंबी अवधि तक भूखा रहने से ओवरईटिंग की आशंका भी बढ़ जाती है। लंबे समय तक भूखा रहने से शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी होने लगती है, जिसका संपूर्ण सेहत पर नकरात्मक असर पड़ता है।

व्यायाम से समझौता नहीं

हर दिन कम–से–कम 25 से 30 मिनट का व्यायाम शरीर को सेहतमंद रखने के लिए बहुत ज्यादा जरूरी है। सुबह की शुरुआत हल्के–फुल्के व्यायाम के साथ करने से न सिर्फ शरीर का लचीलापन बरकरार रहता है बल्कि शरीर में सकारात्मक ऊर्जा में भी इजाफा होता है। योग, दौड़ना, स्ट्रेचिंग या फिर जिम में व्यायाम... अपनी फिटनेस को बरकरार रखने के लिए इनमें से कुछ भी चुन सकती हैं, बस इस बात का ध्यान रखें कि जो करें, उसे नियमित रूप से करें।

सूरज की रोशनी का असर

हम सब की जिंदगी का अधिकांश हिस्सा अब घर के भीतर, स्क्रीन के सामने बीतने लगा है। इसके लिए कुछ हमारा काम जिम्मेदार है, तो कुछ स्क्रीन की हमारी बढ़ती लत। पर, क्या आप जानती हैं कि सेहतमंद रहने की विटामिन–डी बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है, जिसका सबसे बड़ा स्रोत सूरज की रोशनी है। सुबह के वक्त निकलने वाली सूरज की रोशनी विटामिन–डी के सबसे प्रभावी स्रोतों में से एक है। यह शरीर के साथ–साथ मन को भी सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। आप सुबह के वक्त पार्क में व्यायाम करते वक्त विटामिन–डी भी प्राप्त कर सकती हैं। खास बात यह है कि इन सबके साथ विटामिन–डी वजन घटाने में भी प्रभावी साबित होता है।

खाने की भी करें प्लानिंग

जो लोग हर दिन के अपने खाने की प्लानिंग करते हैं, वे ज्यादा मात्रा में पोषक तत्वों का सेवन कर पाते हैं। दरअसल, मेन्यू तय करके खाने से हम अपने पोषण के बारे में ज्यादा सतर्क रह पाते हैं। ऐसी स्थिति में सिर्फ पेट भरने की जगह पोषक तत्वों से भरपूर कम कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों के सेवन को बढ़ावा मिलता है। ऐसी स्थिति में कैलोरी से भरपूर पैकेट बंद स्नैक्स पर हमारी निर्भरता कम होती चली जाती है, जिससे वजन बढ़ने का खतरा भी कम होता चला जाता है।

राशिफल — प्रियंका जैन

मेष भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। साझेदारी में नवीन प्रस्ताव प्राप्त हो सकेंगे। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। राजनीतिक व्यक्तियों से लाभकारी योग बनेंगे।

वृष बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। पत्नी के बतलाए रास्ते पर चलने से लाभ की संभावना बनती है। यात्रा से लाभ।

मिथुन फालतू खर्च होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा। परिवार की चिंता रहेगी। आय से व्यय अधिक होंगे।

कर्क धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। सामाजिक समारोहों में भाग लेंगे।

सिंह प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी। रिश्तेदारों से संपत्ति संबंधी विवाद हो सकता है। व्यापार-नौकरी में लाभ होगा।

कन्या पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी। आपके कार्यों को समाज में प्रशंसा मिलेगी। भागीदारी में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा।

तुला प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। अपनी वस्तुएँ संभालकर रखें। रुका धन मिलेगा।

वृश्चिक जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे। शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

धनु स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी। नौकरी में पदोन्नाति के योग हैं। आलस्य से बचकर रहें।

मकर रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा। विचारों से सकारात्मकता बढ़ेगी। दुस्साहस न करें।

कुंभ नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है। यात्रा आज नहीं करें। परिवार के कार्यों को प्राथमिकता दें। आपकी बुद्धिमत्ता सामाजिक सम्मान दिलाएगी।

मीन किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान की आशंका है। परिवार में तनाव रहेगा। व्यापार-व्यवसाय मध्यम रहेगा। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का माहौल बन सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें।

श्री गणेश जी की आराधना

वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए करें

ब्रह्माजी ने वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। इनकी अनदेखी करने पर उपयोगकर्ता की शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि होना निश्चित रहता है। वास्तु देवता की संतुष्टि गणेशजी की आराधना के बिना अकल्पनीय है। गणपतिजी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं है। नियमित गणेशजी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे, इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिन्दूर से स्वस्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है। घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किन्तु यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैऋत्य कोण में नहीं होना चाहिए। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए। सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिन्दूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की और सूंड घुमी हुई हो, इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेशजी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। वे देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं। मंगल मूर्ति को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अतः चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए।

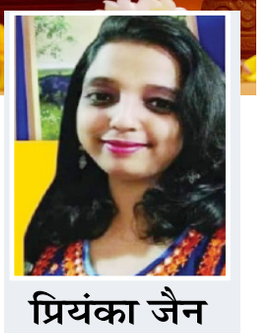

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

चोरों ने BJP नेता के घर को बनाया निशाना

मथुरा। मथुरा शहर में भारतीय जनता पार्टी के एक नेता के घर में बने मंदिर से अज्ञात व्यक्ति ने देवी-देवताओं की प्रतिमा सहित चांदी की 11 प्लेट आदि कीमती सामान चोरी कर लिए। चोरी की यह घटना शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात चौक बाजार में भाजपा की महानगर शाखा के महामंत्री प्रदीप गोस्वामी के घर पर हुई जब वह अपने परिवार के साथ ऊपरी मंजिल पर अपने कमरे में सो रहे थे। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई तो एक व्यक्ति वहां से सामान लेकर जाता दिखाई दिया हैपुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। गोविंद नगर थाना के प्रभारी देवपाल सिंह पुंडीर ने बताया कि चोरी की यह घटना शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात चौक बाजार में भाजपा की महानगर शाखा के महामंत्री प्रदीप गोस्वामी के घर पर हुई जब वह अपने परिवार के साथ ऊपरी मंजिल पर अपने कमरे में सो रहे थे।उन्होंने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति निचली मंजिल पर बने मंदिर में दाखिल हुआ और चांदी की देवी- देवताओं की प्रतिमाएं, पांच गाय, चार श्रीयंत्र और 11 प्लेट आदि चोरी करके ले गया। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई तो एक व्यक्ति वहां से सामान लेकर जाता दिखाई दिया है।

तहसीलों पर लेखपालों ने किया धरना प्रदर्शन

आजमगढ़। एंटी करप्शन टीम एवं विजलेंस विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई से नाराज लेखपालों ने जनपद में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का बहिष्कार कर सभी तहसीलों पर विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान लेखपालों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा। सदर तहसील के नाराज लेखपालों ने तहसील पर पहुंच कर धरना-प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस का बहिष्कार कर दिया। एंटी करप्शन टीम व विजलेंस विभाग द्वारा की जाने वाली उक्त कार्रवाई को लेखपाल संघ ने संदिग्ध बताया था। तहसील के मंत्री लव कुमार राय ने कहा कि तहसील निजामाबाद में कार्यरत लेखपाल रामदयाल त्रिपाठी एवं सगड़ी में कार्यरत लेखपाल यादवेंद्र यादव, रामायण भारद्वाज, केशपाल, सुजीत कुमार के ऊ पर एंटी करप्शन टीम और विजलेंस विभाग द्वारा फर्जी ढंग से कार्यवाही की गई है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

यूपी में सर्दी का सितम

आठ जनवरी तक आठवीं तक के सभी स्कूल बंद

लखनऊ। नया साल शुरू होते ही यूपी में सर्दी सितम ढहाने लगी है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के चलते प्रदेश के कई जिलों में शीतलहर चल रही है। सर्दी को देखते हुए कई जिलों में डीएम ने छुट्टी की घोषणा कर दी है। रविवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर कक्षा एक से आठ तक संचालित सभी सीबीएसई, सीआईएससीई एवं अन्य बोर्ड के अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम के विद्यालयों को सात और आठ जनवरी को बंद कर दिया गया है। छह जनवरी को गुरु गोविंद सिंह की जयंती पर पूर्व से अवकाश घोषित है। इसलिए अब नौ जनवरी से स्कूल खुलेंगे। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने सभी स्कूलों से उक्त आदेश का कठोरता से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

वहीं गाजियाबाद में सर्दी को देखते हुए जिले के आठवीं तक के सभी स्कूलों की छुट्टियां छह दिन और बढ़ाकर 11 जनवरी तक कर दी गई हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने सभी स्कूलों को आदेश जारी कर दिए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि सभी सरकारी एवं गैर सरकारी सभी बोर्ड के आठवीं तक के सभी स्कूल अब 11 जनवरी तक बंद रहेंगे। जबकि कक्षा नौवीं से 12वीं तक की कक्षाएं सुबह नौ बजे से पहले शुरू नहीं होंगी। यदि कोई भी स्कूल निर्देशों की अवहेलना करता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि इससे पहले 30 दिसंबर को आदेश जारी कर आठवीं तक के स्कूलों में पांच जनवरी तक छुट्टियां घोषित की गई थीं।

पहाड़ों पर बर्फबारी के चलते प्रदेश में शीतलहर का प्रकोप है। मौसम विभाग के अनुसार वाराणसी प्रदेश का तीसरा सबसे सर्द शहर दर्ज किया गया है। जबकि इटावा यूपी का सबसे सर्द जिला रहा।

दो छात्राओं को मैजिक ने कुचला, एक की मौत

गोरखपुर। चौरीचौरा के भटगांवा गांव के चौराहे पर रविवार को दो छात्राओं को एक मैजिक ने कुचल दिया। दोनों रिश्ते में चचेरी बहन थीं और परीक्षा देने महाविद्यालय जा रही थीं। एक छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल है, उसका इलाज चल रहा है। घटना का फुटेज सामने आने के बाद परिजनों ने मैजिक चालक पर बच्चियों को जानबूझ कर कुचलने का आरोप लगाया है। परिजनों ने मामले में तहरीर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच कर रही है। वहीं, गाड़ी को बरामद कर मालिक को हिरासत में ले लिया है ।

निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

उत्तराखंड के वरिष्ठ नेता भाजपा में शामिल

देहरादून। उत्तराखंड में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस की प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। बताया जा रहा है कि जोशी पार्टी हाईकमान द्वारा पिथौरागढ़ में महापौर सीट के लिए उनकी पत्नी को टिकट नहीं दिए जाने के बाद से नाखुश थे। भाजपा में शामिल होने वाले अन्य नेताओं में कांग्रेस की प्रदेश इकाई के पूर्व उपाध्यक्ष बिट्टू कर्नाटक और दो बार जिला पंचायत अध्यक्ष रहे जगत सिंह खाती शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने शनिवार को यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में नेताओं का सत्तारूढ़ दल में स्वागत किया। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं को मेहनती और योग्य व्यक्ति करार देते हुए धामी ने भरोसा जताया कि भाजपा को निकाय चुनाव में उनके अनुभव का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस में योग्य और अच्छे लोगों की कोई कद्र नहीं है।

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं ने कहा कि कांग्रेस समर्पित कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान नहीं दे रही है। जोशी ने कहा कि वह भाजपा में इसलिए शामिल हुए क्योंकि कांग्रेस में ईमानदार कार्यकर्ताओं की कोई कद्र नहीं है। बता दें कि उत्तराखंड में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव 23 जनवरी को होने हैं।

सीओ पर फायर करने वाला आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली में कर रहा था मजदूरी

संभल। संभल हिंसा में पुलिसकर्मियों से कारतूस लूटकर सीओ सिटी अनुज चौधरी पर गोली चलाने वाले गैंगस्टर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से लूटे गए पांच कारतूस और एक तमंचा बरामद हुआ है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने हिंसा के दौरान पुलिसकर्मियों से कारतूस लूटे थे और पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज चौधरी पर भी फायरिंग की थी।

फायरिंग करने वाला तमंचा और लूटे गए कारतूस भी बरामद

संभल हिंसा में सीओ अनुज चौधरी पर फायरिंग करने के आरोपित सलीम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उससे तमंचा और पांच कारतूस भी बरामद किए गए हैं। कारतूस उसने पुलिस से ही लूटे थे। सलीम पर गैंगस्टर सहित सात मुकदमे दर्ज हैं। हिंसा के बाद वह दिल्ली के सीलमपुर भाग गया था। वहां मजदूरी कर रहा था। रविवार को समर्पण करने के लिए संभल आया था। पुलिस ने उसे दबोच लिया। संभल में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर 24 नवंबर को हिंसा भड़क गई थी। पुलिस पर तीन ओर से साजिशन पथराव व फायरिंग की गई थी। इस दौरान फायरिंग में चार लोगों की मृत्यु हो गई थी, जबकि 30 से अधिक अधिकारी व पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। हिंसा में एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई और सीओ अनुज चौधरी भी घायल हुए थे। कुल 12 प्राथमिकी दर्ज कराई गई थीं, जिनमें सात प्राथमिकी पुलिस और एक घायल वसीम के स्वजन ने कराई थी। चार मृतकों के स्वजन ने भी अलग-अलग प्राथमिकी कराईं थीं।

महाकुंभ के दौरान काशी विश्वनाथ की आरती का बदलेगा समय

वाराणसी। प्रयागराज में 45 दिन चलने वाले महाकुंभ पर वैसे तो मां गंगा के भक्त पूरे देश में उत्साहित हैं लेकिन उत्तर प्रदेश की काशी नगरी भी महाकुंभ के स्वागत को तैयार है। देखा गया है कि देश-विदेश से आए श्रद्धालु गंगा-जमुना और सरस्वती की त्रिवेणी में स्नान करके बाबा की नगरी काशी में आशुतोष भगवान का जलाभिषेक करके खुद को धन्य करते हैं। विश्वनाथ मंदिर न्यास ने भक्तों की बढ़ती संख्या और सुविधा का ख्याल रखने के लिए 13 जनवरी से 12 फरवरी 2025 तक सामान्य दिनों में होने वाली आरती और महाकुंभ के दौरान और आरती भोग के समय में परिवर्तन किया है।प्रयागराज में 45 दिन चलने वाले महाकुंभ पर वैसे तो मां गंगा के भक्त पूरे देश में उत्साहित हैं लेकिन उत्तर प्रदेश की काशी नगरी भी महाकुंभ के स्वागत को तैयार है। देखा गया है कि देश-विदेश से आए श्रद्धालु गंगा-जमुना और सरस्वती की त्रिवेणी में स्नान करके बाबा की नगरी काशी में आशुतोष भगवान का जलाभिषेक करके खुद को धन्य करते हैं। विश्वनाथ मंदिर न्यास ने भक्तों की बढ़ती संख्या और सुविधा का ख्याल रखने के लिए 13 जनवरी से 12 फरवरी 2025 तक सामान्य दिनों में होने वाली आरती और महाकुंभ के दौरान और आरती भोग के समय में परिवर्तन किया है। महाकुंभ में करोडों श्रद्धालु डुबकी लगाकर पाप से मुक्ति की प्रार्थना करते हैं। अधिकांश भक्त बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में औघड़दानी का जलाभिषेक और पूजा भी करते हैं। जिसके चलते श्री विश्वनाथ मंदिर न्यास की नए शेड्यूल में महाकुंभ के लिए चार प्रहर की आरती का नया समय जारी किया गया है, जिसमें मंगला आरती, मध्याह्न भोग, सप्तर्षि और शयन आरती के समय में 15-15 मिनट का समय घटाया व बढ़ाया गया है।महाकुंभ में करोडों श्रद्धालु डुबकी लगाकर पाप से मुक्ति की प्रार्थना करते हैं। अधिकांश भक्त बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में औघड़दानी का जलाभिषेक

और पूजा भी करते हैं। जिसके चलते श्री विश्वनाथ मंदिर न्यास की नए शेड्यूल में महाकुंभ के लिए चार प्रहर की आरती का नया समय जारी किया गया है, जिसमें मंगला आरती, मध्याह्न भोग, सप्तर्षि और शयन आरती के समय में 15-15 मिनट का समय घटाया व बढ़ाया गया है।

विश्वनाथ मंदिर न्यास की सारणी के मुताबिक मंगला आरती का समय सुबह में 2:45 बजे से 3:45 बजे तक किया गया है। वहीं महाशिवरात्रि पर्व पर बाबा की मंगला आरती का समय 2:15 बजे से 3:15 बजे तक रखा गया है। मध्याह्न भोग आरती 11:35 बजे से 12:15 बजे तक होगी। काशी में बाबा की सप्तऋषि आरती शाम को 7 बजे से 8 बजे तक होगी, हालांकि महाशिवरात्रि के अवसर पर सप्तऋषि आरती नहीं होगी। पूर्णिमा के अवसर पर शाम को 6:15 बजे से 7:15 बजे तक की जाएगी। श्रृंगार भोग आरती का समय रात्रि 8:45 बजे से 9:45 बजे तक का रखा गया है जबकि शयन आरती का समय 10.30 ही रहेगा।

महाकुंभ मेला के दौरान पड़ने वाले सोमवार यानी 20, 27 जनवरी और 3,10, 17, 24 फरवरी 2025 की तारीख को श्रृंगार-भोग आरती का समय रात्रि 9 बजे और शयन आरती रात्रि 10.45 पर होगी।

तीन दिन भक्ति से सराबोर होगी रामनगरी

सोनू निगम, अनुराधा पौडवाल, मालिनी अवस्थी बांधेंगी समां

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या एक बार फिर भक्ति से सराबोर होगी। प्रतिष्ठा द्वादशी के त्रिदिवसीय आयोजन पर रामनगरी में देश के प्रमुख संतों-महंतों की उपस्थिति में अपने-अपने क्षेत्र के दिग्गज कलाकार निस्वार्थ रामलला के समक्ष अपनी कला को समर्पित करेंगे। इसी के साथ ही संगीत से जुड़े कलाकारों का भी जमघट लगेगा। उषा मंगेशकर, कुमार विश्वास, मालिनी अवस्थी, अनुराधा पौडवाल, कथक नृत्यांगना शोभना नारायण आदि कलाकार राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने पर समां बांधेंगे। 11, 12 और 13 तारीख को होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने बताया कि प्रथम दिन रामलला का अभिषेक और अंगद टीला के प्रांगण में आम जनमानस को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संबोधित करेंगे।

व्यापार जगत

7 कंपनियों का IPO इस हफ्ते हो रहा है ओपन

नई दिल्ली। इस नए हफ्ते में प्राइमरी मार्केट में काफी हलचल रहेगी। निवेशकों के पास दांव लगाने का कई मौका आएगा। जहां एक तरफ 7 कंपनियों के आईपीओ पर पैसा लगाने का मौका निवेशकों को मिलेगा। तो वहीं, 7 कंपनियों की लिस्टिंग भी होने जा रही है। ऐसे में यह हफ्ता निवेशकों के लिए से काफी व्यस्त रहेगा। बता दें, 7 कंपनियों में इनविट भी (InVIT) भी शामिल है। कंपनी के 2400 करोड़ रुपये का आईपीओ 6 जनवरी यानी सोमवार को खुल रहा है।

1- Standard Glass Lining Technology IPO: फार्मा सेक्टर और केमिकल सेक्टर के लिए इंजीनियरिंग इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का आईपीओ आ रहा है। कंपनी के आईपीओ का साइज 410.05 करोड़ रुपये का है। स्टैंडर्ड टेक्नोलॉजी आईपीओ ने एंकर निवेशकों से 123.02 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बता दें, कंपनी का आईपीओ 6 जनवरी से 8 जनवरी तक खुला रहेगा। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 133 रुपये से 140 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

2- क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक (Quadrant Future Tek IPO): कंपनी कवच प्रोजेक्ट के तहत एडवांस सिगनलिंग सिस्टम बना रही है। कंपनी का आईपीओ 7 जनवरी से 9 जनवरी तक खुला रहेगा। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 275 रुपये से 290 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

3- कैपिटल इंफ्रा ट्रस्ट आईपीओ (Cpaital Infra Trust IPO): इस आईपीओ का प्राइस बैंड 99 रुपये से 100 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी का आईपीओ 7 जनवरी से 9 जनवरी तक खुला रहेगा।

4- Indobell Insulation IPO: एसएमई सेगमेंट का यह आईपीओ 6 जनवरी से ओपन हो जाएगा। कंपनी आईपीओ के जरिए 10.14 करोड़ रुपये जुटाना चाह रही है। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 46 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। बता दें, आईपीओ पर 8 जनवरी तक पैसा लगाया जा सकता है।

5- B R Goyal Infrastructure IPO: इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 128 रुपये से 135 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 85.21 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। B R Goyal Infrastructure IPO पर 7 से 9 जनवरी तक दांव लगाया जा सकता है।

6- डेल्टा ऑटोकॉर्प आईपीओ (Delta AutoCorp IPO):कंपनी के आईपीओ का साइज 54.60 करोड़ रुपये का है। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 123 रुपये से 130 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ पर 7 जनवरी से 9 जनवरी तक दांव लगाया जा सकता है।

7- Avax Apparels and Ornaments IPO: यह आईपीओ 7 जनवरी से 9 जनवरी तक खुला जाएगा। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 70 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। बता दें, इस एसएमई आईपीओ का साइज 1.92 करोड़ रुपये है।

इस हफ्ते कई कंपनियों के आईपीओ भी बंद हो रहे हैं। पर्वेश्वर मेटल (41.96 गुना सब्सक्रिप्शन), डेविन सन्स रिटेल (Davin Sons Retail) आईपीओ 6 जनवरी यानी सोमवार को बंद होगा। वहीं, फेबटेक टेक्नोलॉजी क्लीनरूम्स का आईपीओ 7 जनवरी को बंद हो जाएगा। इस आईपीओ को अबतक 18.46 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है।

इंडो फार्म इक्विपमेंट की लिस्टिंग 7 जनवरी को है। मेनबोर्ड में इस हफ्ते सिर्फ इसी कंपनी की लिस्टिंग प्रस्तावित है। इंडो फार्म इक्विपमेंट आईपीओ को 229 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन मिला था। मौजूदा समय में इसका जीएमपी 45 रुपये है।

एसएमई सेगमेंट में 5 कंपनियों की लिस्टिंग प्रस्तावित है। Technichem Organics की लिस्टिंग 7 जनवरी को, लियो ड्राई फ्रूट्स की लिस्टिंग 8 जनवरी को, परमेश्वर मेटल और डेविन सन्स की लिस्टिंग 9 जनवरी को है। वहीं, फेबटेक टेक्नोलॉजी क्लीनरूम की लिस्टिंग 10 जनवरी को प्रस्तावित है।

अगले हफ्ते 36 कंपनियों का आएगा रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली। इस हफ्ते में लगभग 36 कंपनियां अपने तीसरी तिमाही के नतीजे घोषित करेंगी और जिन प्रमुख कंपनियों पर नजर रहेगी उनमें टीसीएस, डीमार्ट, मोबिक्विक, आईआरईडीए और अन्य शामिल हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश की कौन—कौन सी कंपनियां अपना रिपोर्ट कार्ड जारी करने वाली हैं।

7 आईपीओ और 6 लिस्टिंग के अलावा शेयर बाजार में अगले काफी एक्शन देखने को मिलेगा। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस से लेकर डीमार्ट तक देश की 36 कंपनियां शेयर बाजार को तीसरी तिमाही का रिपोर्ट कार्ड जारी करेंगी। जानकारों की मानें तो दूसरी तिमाही में देश की छोटी बड़ी कंपनियों का प्रदर्शन खराब देखने को मिला था। तीसरी तिमाही में उसमें सुधार की उम्मीद की जा रही है।

इसका मतलब है कि कंपनियों के रेवेन्यू और प्रॉफिट में इजाफा देखने को मिलगा। इस हफ्ते में लगभग 36 कंपनियां अपने तीसरी तिमाही के नतीजे घोषित करेंगी और जिन प्रमुख कंपनियों पर नजर रहेगी उनमें टीसीएस, डीमार्ट, मोबिक्विक, आईआरईडीए और अन्य शामिल हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इस हफ्ते की कौन सी तारीख को किस कंपनी के नतीजे जारी होने वाले हैं।

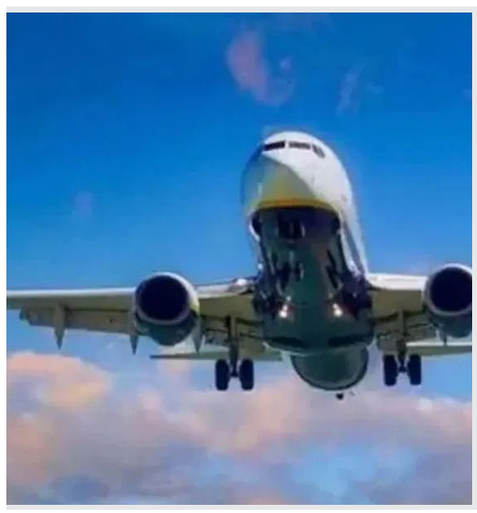

हवाई यात्रियों ने बनाया रिकॉर्ड, डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट में बढ़े पैसेंजर

नई दिल्ली। भारत में हवाई यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बीते एक साल में अंतराष्ट्रिय हवाई यात्रा करने वालों का आंकड़ा शेयर किया है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल 64.5 मिलियन यात्रियों में से 29.8 मिलियन यात्रियों को भारतीय ऑपरेटरों द्वारा ले जाया गया था, जबकि 34.7 मिलियन यात्रियों को विदेशी ऑपरेटरों द्वारा ले जाया गया था।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा साझा किए गए पहले के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-नवंबर की अवधि में घरेलू एयरलाइंस ने कुल 1.02 मिलियन उड़ानें संचालित कीं, जिनमें कुल 146.4 मिलियन यात्री सवार थे। पिछले वर्ष 2023 (जनवरी-नवंबर) के दौरान 0.97 मिलियन उड़ानों में कुल 138.2 मिलियन शेड्यूल यात्री सवार थे।

मंत्रालय ने कहा, "शेड्यूल घरेलू भारतीय वाहकों द्वारा ले जाए जाने वाले घरेलू यात्रियों की संख्या में पिछले वर्ष 2023 की इसी अवधि की तुलना में वर्ष 2024 में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।" 17 नवंबर, 2024 को एक दिन में पहली बार घरेलू हवाई यात्री ट्रैफिक ने नया रिकॉर्ड बनाते हुए 5 लाख यात्रियों की संख्या को पार कर लिया।

1 जनवरी को लागू हुए भारतीय वायुयान अधिनियम 2024 का उद्देश्य वैश्विक मानकों के अनुरूप विमान अधिनियम, 1934 को फिर से लागू कर भारत के विमानन क्षेत्र का आधुनिकीकरण करना है। सरकार ने कहा कि नया कानून मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देगा, शिकागो कन्वेंशन और आईसीएओ जैसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के साथ अलाइन होगा और लाइसेंस जारी करने को सरल बनाने जैसी नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करेगा।

इसके अलावा, पिछले साल महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास में वाराणसी, आगरा, दरभंगा और बागडोगरा में नए टर्मिनलों की नींव रखना शामिल था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करते हुए सरसावा, रीवा और अंबिकापुर में हवाई अड्डों का उद्घाटन भी किया। सरकार ने देश भर में 21 ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना के लिए 'सैद्धांतिक' मंजूरी भी दी है।

मंत्रालय के अनुसार, "विमानन क्षेत्र में जेंडर इक्वैलिटी को बढ़ावा देने के लिए, हितधारकों के लिए एक सलाह जारी की गई है कि वे भारत के विमानन उद्योग में 2025 तक विभिन्न पदों पर महिलाओं की संख्या को 25 प्रतिशत तक बढ़ाएं।" इसके अलावा, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू हवाई अड्डों पर ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

मंत्रालय के अनुसार, 80 हवाई अड्डों ने 100 प्रतिशत हरित ऊर्जा उपयोग को अपना लिया है, जिनमें से 12 हवाई अड्डे 2024 तक इस पर काम शुरू कर देंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से छीनी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

कंगारुओं ने सिडनी टेस्ट ढाई दिन में छह विकेट से जीता

टीम इंडिया को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप से भी बाहर किया

बुमराह का दूसरी पारी में गेंदबाजी न करने का भुगतना पड़ा खामियाजा

एजेंसी । सिडनी

दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने नए साल के पहले ही दिन यह कहा था कि जसप्रीत बुमराह भारतीय टीम में ना होते तो सीरीज एकतरफा होती। इसमें कोई शक नहीं। अगर भारतीय टीम की पर्थ से सिडनी तक जीत की उम्मीदें बनी रही तो सिर्फ बुमराह के कारण ही। रविवार को मैच के तीसरे दिन पीठ में जकड़न के कारण स्विंग का यह महारथी मैदान पर नहीं उतर पाया। नतीजा ऑस्ट्रेलिया ने ढाई दिन में सिडनी फतह कर दस साल बाद भारत से ना सिर्फ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी छीनी बल्कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) से भी बाहर कर दिया। इस चैंपियनशिप के शुरू होने के बाद यह पहला मौका होगा जब भारतीय टीम खिताबी मुकाबला नहीं खेलेगी।

"यह थोड़ा निराशाजनक है लेकिन कभी-कभी आपको अपने शरीर का सम्मान करना होता है। आप अपने शरीर से नहीं लड़ सकते। निराशाजनक, शायद सीरीज के सबसे अच्छे विकेट पर गेंदबाजी करने से चूक गया।'

जसप्रीत बुमराह

भारतीय बल्लेबाजों की खराब फॉर्म

नियमित कप्तान रोहित शर्मा और कप्तान विराट कोहली सहित शीर्ष भारतीय बल्लेबाजों की खराब फॉर्म का खामियाजा टीम इंडिया को सीरीज 1-3 की हार के रूप में भुगतना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में पांचवां और अंतिम मुकाबला छह विकेट से जीता। उसे 162 रन का लक्ष्य मिला था जो उसने मात्र 27 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। कार्यवाहक कप्तान बुमराह अगर गेंदबाजी करने की स्थिति में होते तो कंगारुओं के लिए यह लक्ष्य मुश्किल हो सकता था। पर उनकी गैरमौजूदगी में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एमएसजी) पर ऑस्ट्रेलिया को इस स्कोर का बचाव करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अब 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेगा। वहीं, बदलाव के दौर से गुज रही भारतीय टीम को अब स्वदेश लौटने के बाद काफी आत्ममंथन करना होगा।

नंबर गेम

- 6 की औसत से कंगारुओं ने लक्ष्य का पीछा करते हुए रन बनाए जो ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर 150 या अधिक रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे तेज है
- 7 पारियों में इस सीरीज में भारत 200 के आंकड़े तक नहीं पहुंचा जो इस सदी में एक सीरीज में संयुक्त रिकॉर्ड है। विंडीज ने 2000-01 में कंगारुओं के खिलाफ ही ऐसा किया था
- 16 की औसत रही है बोलैंड की भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में जो इस सदी में 15 या उससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में सर्वश्रेष्ठ है
- 12 साल में बोलैंड सिडनी में एक मैच में दस विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले 2003 में एंडी कैडिक ने ऐसा किया था
- 32 विकेट लेने वाले बुमराह प्लेयर ऑफ द सीरीज

सीरीज में भारत के लिए 200 रन बनाने वाले बल्लेबाज

खिलाड़ी रन सर्वोच्च औसत 100/50

यशस्वी 391 161 43 .44 1/2

नितिश 298 114 37 .25 1/0

राहुल 276 84 30 .66 0/2

पंत 255 61 28 .33 0/1

नौ खिलाड़ियों ने मिलकर सिर्फ 74 रन जोड़े

दूसरी पारी में भारत के लिए अगर पंत के 61 और यशस्वी के 22 रन को छोड़ दिया जाए तो अन्य नौ खिलाड़ियों ने मिलकर सिर्फ 74 रन जोड़े। टीम ने सिर्फ 16 रन जोड़कर अपने बाकी बचे चार विकेट भी गंवा दिए। बोलैंड (45/6) और कप्तान पैट कमिंस (44/3) ने दूसरी पारी में भारत को 39.5 ओवर में सिर्फ 157 रन पर ढेर कर दिया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने छोटा लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। ट्रेविस हेड ने नाबाद 34 और अपना पहला टेस्ट खेल रहे वेबस्टर ने नाबाद 39 रन बनाए। ख्वाजा ने 41 रन का योगदान दिया। बुमराह की गैरमौजूदगी में प्रसिद्ध कृष्णा (65/3) और सिराज (69/1) मेजबान टीम के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में नाकाम रहे। कप्तान की भूमिका निभा रहे कोहली ने इन्हीं दोनों तेज गेंदबाजों पर भरोसा बरकरार रखा।

यशस्वी और नितिश ने दिखाया दम

सीरीज में भारत के लिए अच्छी और एकमात्र सकारात्मक बात यह है कि बाएं के के यशस्वी जायसवाल अगले बल्लेबाजी सुपरस्टार के रूप में उभर रहे हैं। नितिश रेड्डी ने प्रतिभा की झलक दिखाई है। रेड्डी की गेंदबाजी अगर बेहतर होती है तो भारत को घरेलू मैदान पर अच्छी पिचों पर तीन स्पिनरों के साथ खेलने का मौका मिलेगा।

सिडनी में तीसरा सबसे छोटा मैच

1141 गेंद खेली गई पांचवें टेस्ट में दोनों टीमों के बीच। यह सिडनी में तीसरा सबसे छोटा मैच। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड मैच में 1895 में 911 और 1888 में 1129 गेंदें फेंकी गई थी। वहीं भारतीय टीम ने 673 गेंद खेली जो इस मैदान पर जो उसकी सबसे कम गेंद हैं। इससे पहले 1981 में 692 गेंद खेली थी।

जयवर्धने के बाद स्मिथ

स्मिथ टेस्ट क्रिकेट में दस हजार रन पूरे करने से एक रन दूर रह गए। यह सिर्फ दूसरा मौका है जब कोई क्रिकेटर (9999) एक रन से सीरीज में दस हजार रन पूरे नहीं कर पाया। श्रीलंका के महेला जयवर्धने 2011 में सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका में यह उपलब्धि हासिल करने से चूक गए थे।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय सेना में पदस्थ मुरादाबाद के बनवीर सिंह ने युवा चौंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

मुरादाबाद। भारतीय सेना में पदस्थ मुरादाबाद की कांठ तहसील क्षेत्र के गांव शेखूपुरा इंतजामअली खां निवासी फौजी बनवीर सिंह ने नेपाल में हुई दक्षिण एशियाई अंतरराष्ट्रीय युवा चैपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 2 व 3 जनवरी को नेपाल में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय युवा चैंपियनशिप में फौजी बनवीर सिंह ने डिसकस थ्रो में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने कोच रनदीप सिंह के साथ ही कर्नल सुधीर गुलिया को दिया है। इस प्रतियोगिता में जहां बनवीर सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है तो वहीं हरियाणा के खिलाड़ी ने द्वितीय और नेपाल के खिलाड़ी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। बनवीर सिंह 10 साल से भारतीय सेना में कार्यरत हैं और वर्तमान समय में उनकी तैनाती दिल्ली में है। इससे पहले भी वह कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल जीतकर अपने क्षेत्र, परिवार का नाम रोशन कर चुके हैं।

सब जूनियर और कैडेट जूडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद के चार खिलाड़ी चयनित

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी जूडो के अंतरराष्ट्रीय रैफरी संजय गिरि ने रविवार को बताया कि भारतीय जूडो महासंघ के तत्वावधान में 18 जनवरी से 25 जनवरी तक सब जूनियर और कैडेट जूडो चैंपियनशिप में मुरादाबाद के सब जूनियर खिलाड़ियों मनमीत सिंह व पार्थ कुमार और कैडेट टीम में आदित्य व वंश कुमार का चयन हुआ है। संजय गिरि ने आगे बताया कि सब जूनियर और कैडेट जूडो चैंपियनशिप का आयोजन महाराष्ट्र में किया जा रहा है। इसमें प्रतिभाग करने के लिए यूपी जूडो एसोसिएशन ने रविवार को इंडियन पैरा जूडो एकेडमी में यूपी की सब जूनियर और कैडेट जूडो टीम का चयन किया। टीम में मुरादाबाद के सब जूनियर खिलाड़ियों मनमीत सिंह व पार्थ कुमार और कैडेट टीम में आदित्य व वंश कुमार भाग प्रतिभाग करेंगे।

न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में श्रीलंका को 9 विकेट से हराया

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम और श्रीलंका क्रिकेट टीम के बीच खेले गए पहले वनडे मुकाबले में कीवी टीम को 9 विकेट से शानदार जीत मिली है। इसी के साथ 3 मैचों की वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड को 1-0 की बढ़त मिल गई है। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 43.4 ओवर में सिर्फ 178 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड ने सिर्फ 1 विकेट खोकर 26.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। आइए मुकाबले पर एक नजर डाल लेते हैं। कीवी टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ और एक समय 23 रन पर श्रीलंका के 4 बल्लेबाज पवेलियन में थे। अविष्का फर्नांडो ने 56 रन की पारी खेल अकेले संघर्ष किया। कीवी टीम के लिए मैट हेनरी ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। जवाब में कीवी टीम के बल्लेबाजों ने श्रीलंका को कोई मौका नहीं दिया। विल यंग ने सबसे ज्यादा 90 रनों की पारी खेली। फर्नांडो ने 63 गेंदों का सामना किया और 56 रन बनाए। उनके बल्ले से 6 चौके और 1 छक्का निकला।

टेस्ट को लेकर ललक है तो घरेलू क्रिकेट खेलो : गंभीर

एजेंसी । सिडनी

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रविवार को कहा कि खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित और कोहली में उत्कृष्ट प्रदर्शन की ललक है। उन्होंने इन दोनों सहित सभी सीनियर खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलकर टेस्ट क्रिकेट के लिए अपनी प्रतिबद्धता साबित करने का आग्रह किया। मैं हमेशा चाहता हूं कि सभी घरेलू क्रिकेट खेलें। घरेलू क्रिकेट को इतनी तवज्जो मिलनी चाहिए। सिर्फ एक मैच नहीं, अगर वे उपलब्ध हैं और टेस्ट क्रिकेट को लेकर प्रतिबद्ध हैं तो हर किसी को घरेलू क्रिकेट खेलनी चाहिए। अगर आप घरेलू क्रिकेट को महत्व नहीं देते तो टेस्ट क्रिकेट के लिए वैसे खिलाड़ी कभी नहीं निकलेंगे जैसे चाहिए। कोहली ने आखिरी बार 2012 में और रोहित ने 2015-16 में रणजी ट्रॉफी खेला था। दो बार विश्व कप विजेता रह चुके स्पष्टवादी गंभीर ने इसे लेकर भी कोई आश्वासन नहीं दिया कि रोहित या कोहली आगे टेस्ट टीम का हिस्सा होंगे या नहीं। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, अभी इस पर बात करने का समय नहीं है कि पांच महीने बाद हम कहां होंगे। खेल में बहुत कुछ बदलता है। फॉर्म बदलता है, लोग बदलते हैं, तेवर बदलते हैं, सब कुछ बदल जाता है। हमें पता है कि पांच महीने लंबा समय है। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के समय देखेंगे कि क्या होता है। लेकिन जो भी होगा, वह भारतीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ हित में होगा।

कोंस्टास की आलोचना

गंभीर ने बुमराह से भिड़ने वाले ऑस्ट्रेलिया के युवा क्रिकेटर सैम कोंस्टास की आलोचना करते हुए कहा है कि उसे भारतीय कप्तान से बात करने का अधिकार नहीं था। उन्होंने कहा, कठोर लोगों द्वारा खेला जाने वाला यह कठिन खेल है। आप नरम नहीं पड़ सकते। मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ धमकाने जैसा था। ख्वाजा जब समय बर्बाद कर रहे थे तब उसे बुमराह से बोलने का कोई अधिकार नहीं था। इससे उसका कुछ लेना देना नहीं था। यह अंपायर का काम था।

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन-2 का शानदार समारोह के बीच हुआ उद्घाटन

एजेंसी । लेह

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन-2 का उद्घाटन लद्दाख के नवानग डोरजे स्टोबदान (एनडीएस) स्टेडियम में हुआ। इस आयोजन का उद्घाटन लद्दाख के खेल सचिव विक्रम सिंह मलिक ने किया, जिन्होंने पक्क ड्रॉप समारोह में हिस्सा लिया और गत चैंपियन कांग सिंग और शाकर चिक्टन रॉयल्स के बीच शोकेस मैच की शुरुआत की। समारोह की शुरुआत में रॉयल एनफील्ड ने समुदाय उपयोग के लिए अत्याधुनिक स्केट शार्पनिंग मशीनों का तोहफा दिया, जो खिलाड़ियों को उनके स्केट्स को बनाए रखने में मदद करेंगी और लद्दाख के दूरदराज इलाकों से आने वाले खिलाड़ियों को उच्च-गुणवत्ता वाले उपकरणों का उपयोग करने का मौका मिलेगा। समारोह में लीग की जर्सी और ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया। यह ट्रॉफी, जो स्थानीय कलाकार नवानग ग्याल्सटन द्वारा डिजाइन की गई है, एक अनूठी कलात्मकता का उदाहरण है जो आइस हॉकी और स्नो लेपर्ड के संयोजन से लद्दाख की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है। सभी टीमों ने इस सीजन के लिए अपनी नई जर्सियां प्रदर्शित कीं, जो रिसाइक्ल किए गए पीईटी(प्लास्टिक) बोतलों से बनाई गई हैं, जो T10 स्पोर्ट्स के सहयोग से तैयार की गई है।

'महाराजा' ने चीन में किया कमाल

विजय सेतुपति और अनुराग कश्यप की फिल्म 'महाराजा' पिछले साल रिलीज हुई थी। इसने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। एक ओर जहां सेतुपति ने अपने दमदार अभिनय के लिए चारों ओर जमकर वाहवाही लूटी, वहीं फिल्म ने कमाई के मामले में कई बड़ी फिल्मों को धराशायी कर दिया। पिछले कुछ दिनों से 'महाराजा' चीन में धूम मचा रही है और यह पिछले 6 सालों में वहां सबसे कमाऊ भारतीय फिल्म बनकर उभरी है।

चीन में ताबड़तोड़ कमाई कर रही फिल्म

'महाराजा' 29 नवंबर से 'महाराजा' चीन में ताबड़तोड़ कलेक्शन करने में लगी हुई है। चीन में साल 2017 में रिलीज हुई आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'दंगल' आज भी अपनी बेहतरीन कमाई के लिए जानी जाती है, जिसने चीन में 2,000 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर बड़ा रिकॉर्ड बना दिया था। अब 'महाराजा' ने चीनी बॉक्स ऑफिस पर नया रिकॉर्ड बनाया है, जिससे सेतुपति के साथ-साथ उनके प्रशंसकों की खुशी का भी ठिकाना नहीं है।

पिछले 5 सालों में चीन में सबसे कमाऊ भारतीय फिल्म बनी 'महाराजा'

भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने एक्स पर चीन में 'महाराजा' के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन पर एक बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने फिल्म का पोस्टर साझा कर लिखा, 'महाराजा 2018 के बाद से चीन में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है, जिसने 91.55 करोड़ रुपये की कमाई के आंकड़े को छू लिया है। शानदार।' बता दें कि साल 2018 में चीन में आमिर की फिल्म 'सीक्रेट सुपरस्टार' ने भी जबरदस्त कमाई की थी।

'बेबी जॉन' का बॉक्स ऑफिस पर हाल-बेहाल

वरुण धवन की फिल्म 'बेबी जॉन' रिलीज के पहले ही दिन से बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष कर रही है। यह फिल्म क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में आई थी, लेकिन इसे छुट्टी का भी फायदा नहीं मिला। कयास लगाए जा रहे थे शाहरुख खान अभिनीत 'जवान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म का निर्देशन करने वाले एटली के प्रोडक्शन वाली 'बेबी जॉन' टिकट खिड़की पर छा जाएगी, लेकिन एटली का दांव उल्टा पड़ गया।

अब तक केवल 36 करोड़ रुपये जमा कर पाई फिल्म

इस फिल्म के 9 दिनों का कलेक्शन 36.4 करोड़ रुपये रहा, वहीं 10वें दिन फिल्म 55 लाख रुपये ही कमा पाई और अब 11वें दिन भी यह फिल्म करोड़ का आंकड़ा छूने में नाकाम साबित हुई है। वीकेंड के बावजूद 'बेबी जॉन' शनिवार को घरेलू बॉक्स ऑफिस पर महज 80 लाख रुपये ही जुटा पाई। फिल्म ने 11 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 37.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। दर्शकों ने 'बेबी जॉन' का साफ नकार दिया है।

फिल्म से जुड़े कलाकार

'बेबी जॉन' को कलीस ने निर्देशित किया है। ये थलापति विजय की तमिल फिल्म 'थेरी' का रीमेक है। इस फिल्म में वरुण लीड रोल में हैं। जैकी श्रॉफ, वामिका गब्बी और कीर्ति सुरेश भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, वहीं सलमान खान का 'बेबी जॉन' में खास कैमियो है। इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर हाल देख तो ऐसा लग नहीं रहा है कि यह अपना बजट तक निकाल पाएगी।

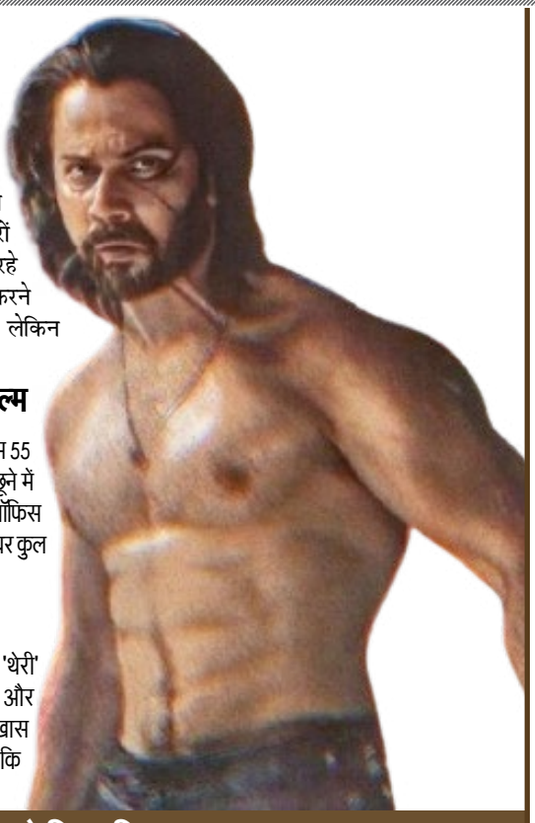

'बेबी जॉन' में वरुण ने किया निराश

'बेबी जॉन' की कहानी को तो फिल्म समीक्षकों ने ठीक-ठाक बताया, लेकिन अभिनय के मामले में वरुण मात खा गए, वहीं दर्शकों ने भी कहा कि वह सीन के हिसाब से अपने चेहरे पर वो गंभीरता नहीं ला पाए। उन्हें देख ऐसा लगा, मानों उन्हें जबरदस्ती इस तरह के एक्शन अवतार में पेश किया गया हो। कीर्ति ने अपनी अदाकारी से वाहवाही लूटी। उनके अलावा फिल्म में कोई भी कलाकार ऐसा नहीं है, जिसने दर्शकों को आकर्षित किया हो।

'देवा' का टीजर देख सातवें आसमान पर शाहिद कपूर के फैंस

अभिनेता शाहिद कपूर पिछले काफी समय से फिल्म 'देवा' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी इस फिल्म का प्रशंसकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है और जब से इससे शाहिद क झलक सामने आई है, इसे लेकर दर्शकों का उत्सह दोगुना हो गया है। अब एक बार फिर निर्माताओं ने इसे लेकर प्रशंसकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। दरअसल, 'देवा' का टीजर रिलीज हो गया है।

दिखा अभिनेता का बेखौफ अंदाज

फिल्म के टीजर में शाहिद एकदम बेखौफ अंदाज में खतरनाक एक्शन करते नजर आ रहे हैं। टीजर में शाहिद के एक्शन और रॉ स्टंट के साथ-साथ उनके डांस की भी झलक है। एंग्री यंग मैन के रूप में शाहिद खूब जंच रहे हैं। फिल्म में शाहिद ने देवा का किरदार निभाया है। उनकी भूमिका एक पुलिसवाले की है। फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेत्री पूजा हेगड़े के साथ बनी है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान रोशन एंड्रयूज ने संभाली है। 'देवा' का टीजर देख एक फैन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कतई बवाल, एकदम जबरदस्त।' एक ने लिखा, 'भाई तुमने तो बिना बोले ही भौकाल मचा दिया।' अन्य फैन ने लिखा, 'शाहिद का जोश देख रोंगटे खड़े हो गए।' एक लिखते हैं, 'शाहिद सिर्फ एक्टिंग नहीं करते, बल्कि किरदार को जीते हैं।' एक ने लिखा, 'क्या टीजर है यार, मजा आ गया। शाहिद सर एकदम मोड में हैं।'

अभिनेता राघव तिवारी पर हुआ हमला

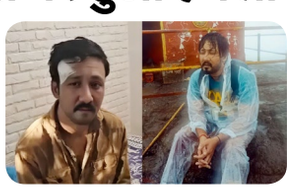

'क्राइम पेट्रोल' के लिए जाने जाने वाले अभिनेता राघव तिवारी पर बहुत बुरी तरह से हमला हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उन पर मुंबई के वर्सोवा इलाके में हमला किया गया था। यह घटना 30 दिसंबर को हुई, जब वह खरीदारी के बाद घर लौट रहे थे। राघव ने स्थानीय पुलिस पर पर्याप्त कार्रवाई करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। राघव ने बताया, मैं अपने दोस्त के साथ शॉपिंग कर घर लौट रहा था, तभी सड़क पार करते समय मेरी एक बाइक वाले से टक्कर हो गई। मेरी गलती थी तो मैने माफी मांगी और जाने लगा। इतने में बाइक चालक मुझे गाली देने लगा। मैंने उससे पूछा कि गाली क्यों दे रहे हो। उसके बाद वो बाइक से गुस्से में उतरा और मेरे ऊपर दो बार चाकू से हमला किया। मैं किसी तरह बच गया। राघव ने आगे कहा, उसके बाद हमलावर ने मेरे पेट पर लात मारी, जिससे मैं जमीन पर गिर गया। फिर उसने मुझे मारने के लिए अपनी बाइक की डिक्की से शराब की बोतल और लोहे की रॉड निकाली। मैंने बचाव के लिए लकड़ी का एक टुकड़ा उठाकर उसके हाथ पर मारा, जिससे बोतल गिर गई, लेकिन इससे वह और भी गुस्सा हो गया और उसने लोहे की रॉड से मेरे सिर पर दो बार वार किया।

32वें दिन पुष्पा 2 ने रचा इतिहास

1200 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने वाली बनी पहली भारतीय फिल्म

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' कमाई के मामले में आए दिन नए रिकॉर्ड बनाती जा रही है। वहीं, आज की कमाई के साथ ही फिल्म ने फिर एक बार इतिहास रच दिया है। फिल्म का सिनेमाघरों में आज 32वां दिन था। फिल्म पांचवें हफ्ते के वीकएंड पर भी अच्छी कमाई कर रही है। चलिए जानते हैं फिल्म ने आज कितनी कमाई की।

32वें दिन की कमाई

पुष्पा 2 द रूल का सिनेमाघरों में पांचवां रविवार था। आज भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, 6.51 करोड़ रुपये की कमाई की है। बीते दिन की कमाई के मुकाबले आज फिल्म ने उछाल के साथ कलेक्शन किया। पांचवें शनिवार को फिल्म ने 5.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

फिल्म की कुल कमाई

वहीं, फिल्म की कुल कमाई की बात करें तो अब तक पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर 1205.51 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। पांचवें हफ्ते में फिल्म ने नया रिकॉर्ड बना लिया। फिल्म आज 1200 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो चुकी है। यह 1200 करोड़ रुपये कमाने वाली पहली भारतीय फिल्म बन चुकी है।

1200 करोड़ी बनी फिल्म

पुष्पा 2 अब 1200 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो चुकी है। यह फिल्म पहले ही 'बाहुबली 2' को पीछे छोड़ भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। वहीं, अब यह आगे बढ़ते हुए पहली ऐसी फिल्म बन गई जो 1200 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हुई। चलिए आपको बताते हैं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों के बारे में।

इंदौर से शहादा आएंगे श्रीहरि विष्णु

9 जनवरी को शुरू होगी महायात्रा

नंदुरबार। भगवान विष्णु की रियल गोल्ड सहित पंच धातुओं से बनी 21 हज़ार किलो भार वाली 24 करोड़ रुपए में निर्मित 11 फिट के शयन मुद्रा वाली श्रीमूर्ति इंदौर से नंदुरबार के शहादा लाई जाएगी। महायात्रा 9 जनवरी को इंदौर से प्रारंभ होगी। इस दौरान सुबह 9.30 से 11 बजे तक मूर्ति को दर्शन के लिए राजबाड़ा में रखा जाएगा। इसके बाद सैकड़ों भक्तों के साथ महायात्रा राऊ, मानपुर, धामनोद, सेंधवा होते हुए 11 जनवरी को शाहदा धाम पहुंचेगी।

कृपा आशीर्वाद
ब्रह्मलीन सद्गुरु
श्री अच्युतानंदनजी
महाराज

सनातन धर्म का सर्वश्रेष्ठ मंदिर

महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के शहादा तहसील में श्री नारायणपुरम तीर्थ के निर्माता स्वामी श्री लोकेशानंद जी महाराज कहते हैं, मानव मात्र का कल्याण ही धर्म है। मुझे विश्वास है कि श्री नारायणपुरम तीर्थ मानव कल्याण की राह में एक बड़ा आलोक स्तंभ साबित होगा। यह मंदिर सनातन धर्म के मूल भाव से प्रेरित है। 'सनातन' का शाब्दिक अर्थ है – शाश्वत या 'सदा बना रहने वाला', यानी जिसका न आदि है न अन्त। इसीलिए यह धर्म और उसका दर्शन दुनिया के सबसे प्राचीनतम धर्म और दर्शनों में से एक है। जल्द ही सनातन धर्म का सर्वश्रेष्ठ मंदिर बनने जा रहा है।

विश्वविख्यात श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर के निर्माण के पांच हजार पांच सौ (5500) वर्षों के बाद भारत भूमि में आज पुनः एक पवित्र विष्णु तीर्थ का निर्माण हो रहा है। यहां आने वाले भक्तों का मानना है कि यह मंदिर विश्वभर के भक्तों की आस्था का केंद्र बनकर उभर रहा है। 20 एकड़ भूमि में फैले इस मंदिर का निर्माण 2018 से शुरू हुआ और उम्मीद है कि 2025 में इसका निर्माण पूरा हो जाएगा। फिलहाल वर्तमान में भक्तों के लिए इसे खोल दिया गया है और हर रोज देश भर से हजारों की संख्या में लोग यहां दर्शन के लिए आ रहे हैं। इस मंदिर में भक्त निवास, भोजशाला, गौशाल जैसे अनेक सेवा प्रकल्प हैं।

वास्तुकला का भी अद्भुत उदाहरण बनकर निखरेगा

सद्गुरु श्री लोकेशानंद जी महाराज

समाज और मानव सेवा का भगीरथ संकल्प

इस तीर्थ के निर्माण का बीड़ा उठाया है श्री नारायण भक्ति पंथ ने। इस महान कार्य का संकल्प महान तपस्वी, सर्व शास्त्र विशारद, भक्ति योग के भास्कर एवं श्री नारायण भक्ती पंथ के प्रवर्तक सद्गुरु श्री लोकेशानंद जी महाराज ने लिया है। लोकेशानंद जी महाराज की पावन प्रेरणा से अनेकों सनातन प्रेमी भक्तों द्वारा सेवा समर्पण के भाव से यह तीर्थ साकार हो रहा है। श्री नारायण भक्ति पंथ के अतिरिक्त पंथ नर सेवा नारायण सेवा के लिए तत्पर है, जिसमें अनेकों जरूरतमंद लोगों तक आवश्यक आर्थिक और अन्य भोजन, वस्त्र तथा मेडिकल, शिक्षा सेवाओं को पंहुचाया जाता है। यहां समय-समय पर आदिवासि कन्याओं को शिक्षा के लिए राशि भी दी जाती है। वृक्षारोपण, रक्तदान एवं पशुओं के लिए भी अनेक प्रकार के प्रकल्प चलाए जाते हैं।

गीता के कर्मयोग के दर्शन का केंद्र बनेगा यह धाम

यह बात बड़ी हैरान कर देने वाली है कि इतनी हिंसा और मार-काट के दौर में शांति और आश्रय की खोज में दुनिया भर के लोग गीता के उपदेशों की तरफ झुक रहे हैं। भगवान श्री नारायण विष्णु के विभिन्न रूपों की भक्ति में लीन हो रहे हैं। केरल में नारायण पद्मनाभ स्वामी के नाम से पूजे जाते हैं, तमिलनाडु में श्री रंगनाथ स्वामी, महाराष्ट्र में विट्ठल, गुजरात में द्वारिकाधीश, वृंदावन में कृष्ण, उत्तराखंड में श्री बद्रीनाथ तथा नेपाल में मुक्तिनाथ एवं सर्वत्र श्री नारायण विष्णु भगवान के नाम से इनकी अर्चना की जाती है। मान्यता है कि समस्त कामनाओं की पूर्ति के साथ परमगति मोक्ष को प्राप्त करने का सौभाग्य विष्णु भक्तों को ही प्राप्त होता है। कर्म का सिद्धांत देने वाले भगवान विष्णु का समूचा दर्शन मानवता को श्रेष्ठतम स्थान पर लाने के लिए ही है। ऐसे में यह तीर्थ भगवान श्री नारायण के जीवन और दर्शन के प्रति लोगों को खींचने में अहम भूमिका निभाएगा।